RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्या: RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -66 | मूल्य: 2.00 रू. | अलवर, सोमवार 19 मई, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 10

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में लगी भीषण आग, अब तक 17 की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हैदराबाद

तेलंगाना की राजधानी से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित गुलजार हाउस में रविवार सुबह आग लग गई। इमारत में लगी इस भीषण आग की चपेट में आने से 17 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। घटना पर पीएम मोदी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर शोक जताया है। वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

अब तक का सबसे बड़ा फायर हादसा

जिस बिल्डिंग में आग लगी है, वह शहर की फेमस इमारत है। यह आग शहर के सबसे बड़े आग हादसों में से एक बन गई है। दस घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें ष्ठक्रष्ठह्र हॉस्पिटल, उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल और एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया है।

ग्राउंड फ्लोर से लगी आग

दमकल विभाग के अनुसार, आग सुबह 5.30 बजे लगी। उस समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई। फिर धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया। इससे लोगों का दम घुट गया और उनकी मौत हो गई।

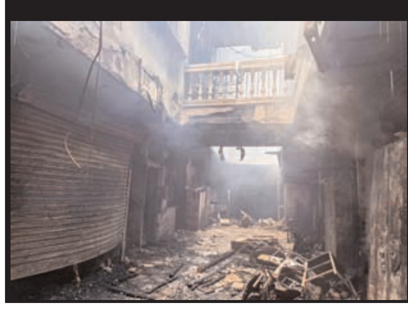

मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मृतकों के परिवारों को मुआवजा देने की घोषणा की है। नरेंद्र मोदी ने ङ्ग पर लिखा, 'हैदराबाद, तेलंगाना में आग लगने से लोगों की जान जाने से दुखी हूं। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायल जल्द ठीक हों।' उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

दमकल की 11 गाड़ियों ने बुझाई आग

दमकल विभाग ने आग बुझाने के लिए 11 गाड़ियां भेजीं। ये गाड़ियां लैंगर हौज़, मुगलपुरा, गौलीगुड़ा, राजेंद्र नगर, गांधी आउटपोस्ट और सालारजंग संग्रहालय जैसे कई स्टेशनों से आई थीं। बचाव कार्य में दो बचाव टेंडर, एक ब्रोंटो स्काईलिफ्ट, तीन पानी के टैंकर और एक रोबोट भी शामिल थे। आग लगने के कारणों की जांच अभी भी जारी है।

मोती की दुकान से लगी आग

केंद्रीय मंत्री और राज्य BJP प्रमुख जी किशन रेड्डी ने बताया कि आग एक मोती की दुकान में लगी। दुकान एक परिवार की थी और उनका घर दुकान के ऊपर ही था। उन्होंने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई है। कुछ लोग घायल भी हुए हैं। मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूं, लेकिन हैदराबाद तेजी से विकसित हो रहा है। इसलिए पुलिस, नगर निगम, दमकल और बिजली विभाग को मजबूत किया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग की बनी टीम

तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजानर सिम्हा के आदेश पर उस्मानिया जनरल अस्पताल में विशेष मेडिकल टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें आग दुर्घटना के पीड़ितों को 24 घंटे इलाज मुहैया कराएंगी। इन टीमों में प्लास्टिक सर्जरी, एनेस्थीसिया और जनरल सर्जरी जैसे विभागों के डॉक्टर शामिल हैं। वे हर समय इमरजेंसी मामलों को संभालने के लिए उपलब्ध रहेंगे। स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंगथू, चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. नरेंद्र कुमार, स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवींद्र नायक और हैदराबाद ष्ठरूह्र डॉ. वेंकट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। वे सभी पीड़ितों को विशेष देखभाल सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

सुबह-सुबह मिली थी सूचना

दमकल विभाग के अनुसार उन्हें आग लगने की सूचना सुबह साढ़े छह बजे मिली थी. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 11 गाड़ियों को मौके के लिए रवाना कर दिया गया था. मौके पर 10 एंबुलेंस भी मौजूद थीं. जिनसे घायलों को तुरंत ही पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया.

एसी में शॉर्ट सर्किट होने का है शक

पुलिस और दमकल विभाग की शुरुआती जांच में जो बातें पता चली हैं उसके मुताबिक अंदेशा है कि ये आग एसी में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से लगी है. हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही ये मालूम चल पाएगा कि आखिर आग किस वजह से लगी.

20 लोग अस्पताल में भर्ती

घटनास्थल पर मौजूद असदुद्दीम ओवैसी की पार्टी AIMIM के एक विधायक ने मीडिया को बताया कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार करीब 20 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। सीएमओ की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाने और उचित चिकित्सा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यायालयों में लंबित विभिन्न विभागीय प्रकरणों की समीक्षा बैठक

जनहित और विकास योजनाओं से जुड़े प्रकरणों की न्यायालय में प्राथमिकता से की जाए प्रभावी पैरवी: भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता के समग्र कल्याण के लिए समर्पण भाव से कार्य कर रही है। हम राज्य की चहुंमुखी प्रगति के लिए जनकल्याणकारी विकास योजनाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित कर रहे हैं। इनमें विधिक कारणों से किसी प्रकार की रूकावट ना आए इसके लिए राज्य सरकार द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों में प्रभावी रूप से पक्ष रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को समय पर राहत मिले और सरकार पर उनका भरोसा और अधिक मजबूत हो इसके लिए सभी अधिकारीगण अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्ण निर्वहन करें। शर्मा ने कहा कि विधिक कार्यों में राज्य सरकार की ओर से संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर न्यायालयों में लंबित विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन का हित ही हमारी प्रमुख प्राथमिकता है। इसलिए जनकल्याण से जुड़े प्रकरणों की न्यायालयों में प्राथमिकता से पैरवी की जाए। ऐसे महत्वपूर्ण प्रकरणों में राज्य सरकार की तरफ से प्रभावी ढंग से पक्ष रखने के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता स्तर पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में उच्चस्थ अदालतों में अपील की आवश्यकता हो उनमें राज्य सरकार की ओर से समय पर अपील की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में विभाग की तरफ से नियुक्त अधिकारीगण प्रकरणों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। ये अधिकारी न्यायालय में पैरवी के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ निरंतर संपर्क में रहते हुए उन्हें आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध करवाएं जिससे इन प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण हो सके। उन्होंने विभागों के शासन सचिवों को निर्देश दिए कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चाधिकारी स्वयं भी नियमित रूप से अधिवक्ताओं के साथ चर्चा कर प्रकरण से संबंधित विभिन्न पहलूओं से उन्हें अवगत कराएं। शर्मा ने कहा कि न्यायालय में विचाराधीन ऐसे मामले जो एक से अधिक विभागों से संबंधित हैं उनके लिए संबंधित विभाग आपसी सहयोग एवं निरंतर समन्वय के साथ विधिक कार्यवाही करें। इसके लिए सक्षम स्तर पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए जो इन विभागों और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ आपसी समन्वय बनाकर कार्य को गति दें। शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर पर भी समन्वय हेतु अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोर्ट केसेज की पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर कार्यवाही की जाए। विभाग पेंडिंग केसेज को प्राथमिकता के आधार पर श्रेणीवार विभाजित करें और और अधिक महत्वपूर्ण मामलों में त्वरित कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में भी विभागीय अधिकारी संबंधित अधिवक्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से नियमित बैठक कर चर्चा करें और उन्हें पूरा सहयोग करें।

भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिक परीक्षण कर शीघ्र करें निस्तारण

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना सरकार का लक्ष्य है। इसलिए न्यायालय में लंबित भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिवत परीक्षण करवाकर उनका शीघ्र निस्तारण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर भी नियम बनाते समय विस्तृत विधिक परामर्श लिया जाए जिससे भर्ती प्रक्रिया निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। शर्मा ने कहा कि विकास योजनाओं से संबंधित भूमि के लंबित प्रकरणों में अदालत से हुए स्थगन आदेशों को प्रभावी पैरवी के साथ निरस्त करवाया जाए जिससे इन प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, विभिन्न अतिरिक्त महाधिवक्तागण एवं संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

THE LORD KRISHNA SCHOOL, HARSAULI
Knowledge Is Power
THE LORD KRISHNA SCHOOL
(A Leading Co-Educational School In Area Affiliated To CBSE)
SCIENCE | COMMERCE | HUMANITIES (ARTS)
ADMISSION OPEN
(NURSERY TO 12TH)
12TH BOARD RESULT 2024-25
93% Muskan D/o Hari Mukesh Mundawar
91% Shipra D/o Vikram Singh Patan Ahir
91% Deepika D/o Mukesh Kumar Chandpura
91% Lekha D/o Dharmendra Alampur
91% Riya D/o Ramher Singh Harsauli
90% Sneha D/o Rajesh Kumar Bhanot
★★ Congratulations To Our Shining Stars ★★
10th Board Result 2024-25
FIRST
Sakshi Yadav 98%
D/o Yogesh Kumar
Vill. Mazra
95% Jinisha D/o Eshwari Lal Harsauli
94% Gaurav S/o Sunil Kumar Harsauli
94% Aditya S/o Pawan Kumar Mazra
93% Angel D/o Jitendar Singh Thetar Basna
93% Pranjal
92% Anshika
92% Priyanshu
92% Akshra
92% Aditi
91% Riya
90% Janvi
90% Chirag
90% Nikita
90% Sonam
90% Divya
Congratulations
BIBIRANI ROAD, HARSAULI (KHAIRTHAL-TIJARA) | 7374966029, 9929006364, 9660294441

SURAJ PUBLIC SCHOOL
Chowki Road, Kotkasim, Khairthal (Raj
+91-9950711477
"Education is key, Unlock Your Future
Class Nur. To 12th
Admission OPEN
Session 2025
Foundation With Schooling
BEST PERFORMANCE
NEET RESULT 2024
696/720 Neelakshi D/o Suraj Prakash
680/720 Rasmi D/o Ved Prakash
680/720 Jatin S/o Satish Gupta
660/720 Anu Yadav D/o Bane Singh
CONGRATULATION
JEE-MAINS RESULT 2025
98% Sahil S/o Vinod Kumar
94% Kuldeep S/o Mangturam
92% Deepak S/o Moolchand
92% Harsh S/o Kartar Singh
प्रकाशमय कल के लिए

दृढ़ संकल्प
दूर दृष्टि
सुसंस्कार
अनुशासन
Visit : www.bhaskaracademybansur.in
A Promise of Quality Education.....
भास्कर एकेडमी, बानसूर
मिलिट्री
सैनिक
नवोदय
RIMC
देवनारायण योजना
CAMPUS
SPORTS
YOGA
TRANSPORT
HOSTEL ROOMS
HYGIENIC MESS
DIGITAL CLASSROOM
LIBRARY
चुनें शिक्षा नगरी बानसूर की एकमात्र एकेडमी
जहां क्वालिटी एजुकेशन के साथ बेहतर अनुशासन

दृढ़ संकल्प
दूर दृष्टि
सुसंस्कार
अनुशासन
Visit : www.bhaskaracademybansur.in
A Promise of Quality Education.....
भास्कर एकेडमी, बानसूर
मिलिट्री
सैनिक
नवोदय
RIMC
देवनारायण योजना
भास्कर एकेडमी बानसूर ने पहले ही प्रयास में रचा इतिहास.....
नवोदय विद्यालय 2025 में चयनित सितारे
गौतम गुर्जर पुत्र श्री अशोक गुर्जर पूर्णगार (कोटपूतली, जयपुर) रोल नं. 2641927
नितिन कुमार पुत्र श्री मणीराम (बगड़ का तिराहा, अलवर) रोल नं. 2734575
अंशुल धनकड़ पुत्र श्री प्रहलाद धनकड़ (मांकरी, जयपुर) रोल नं. 2641773
निशा सैनी पुत्री श्री सुभाष सैनी (बानसूर, अलवर) रोल नं. 2734192
ADMISSION OPEN
for Class 3rd to 8th
Hindi & English Medium
9887647371
8866169900

10 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अहिंसा एकता ग्रुप द्वारा हलवाई पाड़ा मोहल्ला स्थित दिगंबर जैन खंडेलवाल पंचायती मंदिर में 10 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। इस शिविर में सांगानेर से आए नामित और नयन बच्चों को धार्मिक संस्कार व शिक्षाएं दी जाएंगी। शिविर का शुभारंभ सरला जैन व गुणमाला ने किया। अध्यक्ष वन्दना जैन ने बताया कि शिविर का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों का विकास करना है। इस दौरान उन्हें जैन धर्म के सिद्धांतों, अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह जैसे मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाएगी। शिविर में आदिनाथ जैन शिक्षण संस्थान से अनीता सोनी, कल्पना, सरला जैन, खंडेलवाल महिला मंडल से सुनीता और मधु, तथा पालीवाल महिला मंडल से सविता, शीला, विपिन लता समेत अन्य महिलाएं भाग ले रही हैं। सभी सहभागी महिलाओं ने शिविर की व्यवस्थाओं में सहयोग किया और बच्चों को उत्साहपूर्वक मार्गदर्शन देने का संकल्प लिया। इस धार्मिक आयोजन में बच्चों को ध्यान, प्रार्थना, पाठ, प्रवचन और व्यावहारिक ज्ञान के माध्यम से शिक्षित किया जाएगा। साथ ही, उन्हें दैनिक जीवन में सदाचार और संयम अपनाने की प्रेरणा दी जाएगी। शिविर में जैन आगमों के पठन, भजन, और नैतिक कहानियों के माध्यम से शिक्षण की विशेष व्यवस्था की गई है। शिविर का आयोजन प्रतिदिन सुबह से लेकर दोपहर तक चलेगा और इसमें विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा धार्मिक विषयों पर संवाद व शिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। बच्चों के साथ-साथ स्थानीय समाज के लोगों ने भी इस पहल की सराहना की है और इसे सकारात्मक संस्कार निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। शिविर के दौरान बालकों के लिए विशेष खेल-कूद, रचनात्मक गतिविधियों व समूह चर्चा जैसी कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की गई है जिससे वे सीखने के साथ-साथ आनंद भी ले सकें। आयोजकों ने बताया कि समापन अवसर पर एक विशेष धार्मिक कार्यक्रम और सांस्कृतिक प्रस्तुति भी होगी जिसमें सभी प्रतिभागी भाग लेंगे। अहिंसा एकता ग्रुप के इस प्रयास को समाज के विभिन्न वर्गों से सराहना मिल रही है और बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को शिविर में भेजकर धार्मिक शिक्षण से जोड़ने में रुचि दिखा रहे हैं।

नियुक्ति की मांग को लेकर मंत्री से मिले सफाईकर्मी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

2012 में हुई सफाईकर्मी भर्ती से संबंधित याचिका के बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिलने को लेकर वाल्मीकि समाज के लोगों में नाराजगी है। इसी सिलसिले में समाज के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को नगर विकास मंत्री संजय शर्मा से मुलाकात कर नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही देरी पर चिंता जताई और शीघ्र नियुक्ति की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल इंद्रेश लहोरा ने बताया कि यह मामला पूरण चंद बनाम राज्य सरकार की याचिका से जुड़ा है, जिसमें स्वायत्त शासन विभाग के उप निदेशक (प्रशासन) की अध्यक्षता में गठित समिति ने नियुक्ति देने का निर्णय किया था। बावजूद इसके निगम की ओर से अब तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। समाज के लोगों ने मंत्री को जानकारी दी कि इस मामले में निगम आयुक्त को कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं, लेकिन अमल नहीं हो रहा है। लहोरा ने कहा कि उप निदेशक (क्षेत्रीय) ने भी व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए जल्द नियुक्ति देने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद फाइलों में ही मामला अटका हुआ है और बेरोजगार अभ्यर्थी वर्षों से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से मांग की कि सफाईकर्मियों को जल्द से जल्द नियुक्ति देने के लिए स्पष्ट आदेश जारी किए जाएं ताकि वर्षों की प्रक्रिया का अंतिम चरण पूरा हो सके। इस अवसर पर समाज के अन्य लोगों ने भी कहा कि नियुक्ति में देरी से समाज में असंतोष बढ़ रहा है और बार-बार अधिकारियों के चक्कर काटने के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल रहा। मंत्री संजय शर्मा ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वे जल्द ही उच्च स्तर पर समीक्षा कर आवश्यक निर्देश जारी करेंगे। गौरतलब है कि वर्ष 2012 में निकली सफाईकर्मी भर्ती को लेकर लंबे समय से कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं चल रही हैं, लेकिन अब तक नियुक्तियां नहीं होने से चयनित अभ्यर्थियों में निराशा है। अब समाज ने उम्मीद जताई है कि मंत्री स्तर से निर्देश मिलने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया को गति मिलेगी।

शिक्षा मंत्री को प्लेसमेंट कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, बताया समस्याओं का अंबार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शिक्षा विभाग में कार्यरत प्लेसमेंट कंप्यूटर ऑपरेटरों ने अपनी मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को ज्ञापन सौंपा। कांट्रेक्चुअल कंप्यूटर एम्प्लाई राजस्थान संघ के प्रदेशाध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में प्रमुख रूप से यह मांग उठाई गई कि माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों की वित्तीय वर्ष 2024-25 की स्वीकृति अब तक जारी नहीं की गई है, जिससे उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा ठेका प्रथा को समाप्त कर एक स्थायी राजकीय बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों से आवश्यक सूचनाएं भी कार्मिक विभाग द्वारा एकत्रित की जा रही हैं। ऐसे में यदि माध्यमिक शिक्षा विभाग समय पर वित्तीय स्वीकृति नहीं देता, तो इन कर्मचारियों को प्रस्तावित नए बोर्ड में शामिल कर पाना मुश्किल हो जाएगा। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि लंबे समय से सेवा दे रहे कंप्यूटर ऑपरेटर अनिश्चितता की स्थिति में काम कर रहे हैं। न तो उन्हें स्थायित्व मिल रहा है और न ही समय पर वेतन। राज्य सरकार द्वारा ठेका प्रणाली को समाप्त करने की घोषणा के बाद इन कर्मचारियों में एक उम्मीद जगी थी, लेकिन विभागीय स्तर पर देरी के कारण वे दोबारा निराश हो रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि समय रहते इनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर होगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पूरे प्रदेश में ज्ञापन अभियान चलाया जा रहा है ताकि राज्य सरकार पर दबाव बनाया जा सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के अन्य सदस्यों अजय, बुद्धराम और कमल भी मौजूद रहे। इन कर्मचारियों ने भी अपनी-अपनी समस्याएं शिक्षा मंत्री के समक्ष रखीं और जल्द समाधान की मांग की। प्लेसमेंट कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी स्थिति को गंभीरता से लेकर शीघ्र निर्णय लेगी, ताकि वे भी स्थायी कर्मचारियों की तरह निश्चिंत होकर सेवाएं दे सकें।

राणीवाली ढाणी में श्याम जागरण, रातभर बही भक्ति रस की सरिता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराणा

राणीवाली ढाणी स्थित श्याम मंदिर में आयोजित भव्य श्याम जागरण में भक्ति रस की अनोखी छटा देखने को मिली। बाबा खेतानाथ श्याम मित्र मंडल और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से हुए इस आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर रातभर श्याम भक्ति में लीन रहकर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया। जागरण की शुरुआत गायक कलाकार अमित चौधरी और वीरेंद्र भगत की गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद एक के बाद एक प्रस्तुत किए गए भजनों ने समूचे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पांडाल में बैठे श्रद्धालु झूम उठे और देर रात तक भजनों की सुर-लहरियों में खोए रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण खाटू वाले बाबा श्याम की झांकी रही, जिसे भव्य दरबार सजाकर प्रस्तुत किया गया। बाबा को छप्पन भोग अर्पित किए गए और अखंड ज्योत प्रज्वलित कर दिव्य वातावरण निर्मित किया गया। कार्यक्रम में बाबा खेतानाथ मंदिर के महंत शंकरनाथ, सेवा नाथ, माजरीधाम के महंत सुमित गिरी, कृष्णलाल कोशलिया, डॉ. दीपिका यादव, डॉ. सूर्या यादव, समाजसेवी केडी यादव, कमल सैनी, रविंद्र यादव, प्रदीप यादव, सुमेरसिंह, रिंकू यादव दहमी, नित्यानंद, चेतन शर्मा और मुकेश खंडेलवाल जैसे गणमान्य जन उपस्थित रहे। समिति द्वारा सभी अतिथियों का श्याम प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

नई पंचायत गठन की माँग तेज, ग्रामीणों ने बनाई आंदोलन की रणनीति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

क्षेत्र की ग्राम पंचायत बामनवास कांकड़ से अलग होकर बैरावास-नांगलहेड़ी को नई ग्राम पंचायत बनाने की माँग को लेकर ग्रामीणों में गहरा असंतोष उभर आया है। रविवार को बैरावास स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में हुई एक बड़ी बैठक में सैकड़ों ग्रामीणों ने एकजुट होकर इस माँग को लेकर आगामी आंदोलन की रणनीति तैयार की। बैठक में बैरावास, नांगलहेड़ी, तुलसीवाला, र का माला और भोजपुरी सहित कई गांवों के ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने बताया कि इन गांवों की कुल आबादी लगभग 2826 है और ये सभी गांव वर्तमान पंचायत मुख्यालय बामनवास कांकड़ से 15 से 18 किलोमीटर दूर स्थित हैं। इस दूरी के कारण उन्हें सरकारी कामकाज के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बैठक में वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि बैरावास-नांगलहेड़ी भौगोलिक रूप से इन सभी गांवों के मध्य में स्थित है, जिससे यह नया पंचायत मुख्यालय बनने के लिए उपयुक्त स्थान है। ग्रामीणों ने बताया कि वे पहले भी कई बार प्रशासन को ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी माँग पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे क्षेत्र में असंतोष बढ़ता जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि जल्द ही सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार नहीं करती, तो ग्रामीण कानूनी मार्ग अपनाएंगे और आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि अब यह केवल एक पंचायत की माँग नहीं, बल्कि अधिकारों और न्याय की लड़ाई है, जिसे किसी भी कीमत पर लड़ा जाएगा। इस आंदोलन को क्षेत्रीय राजनीति और प्रशासनिक हलकों में गंभीरता से लिया जा रहा है। ग्रामीणों की एकजुटता और स्पष्ट रणनीति ने इस माँग को और प्रभावशाली बना दिया है। बैठक में राकेश दायमा, कन्हैया लाल प्रजापत, रामरतन शर्मा, पोलाराम, सरदान, फलाराम धानका, प्रवीन वर्मा, गोलू योगी, अर्जुन प्रजापत, रघुवीर यादव, अंकुश शर्मा, हीरालाल शर्मा, श्रीराम रावत, तेजपाल, पायलट दायमा, मुकेश सैन, सतीश सैन, जूरी लाल बंजारा, रामकिशोर कोली, रूपा गुर्जर, मुकेश बंजारा, हरिराम प्रजापत, बाबूलाल प्रजापत, पप्पूराम छावडी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल व धरना प्रदर्शन पर चर्चा, कर्मचारी संगठनों ने एकजुटता का किया आह्वान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की जिला शाखा की बैठक रविवार को पटवार भवन में आयोजित हुई, जिसमें राष्ट्रव्यापी हड़ताल और धरना-प्रदर्शन को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज मीणा ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री मुकेश गोयल ने किया। बैठक में महासंघ के आह्वान पर घोषित देशव्यापी हड़ताल और धरना-प्रदर्शन को लेकर गंभीर विमर्श हुआ। वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों और समस्याओं की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संघर्ष के रास्ते को मजबूती से अपनाया जाएगा। बैठक में कर्मचारियों को संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया गया। मुख्य रूप से यह मांग की गई कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण पर लगी रोक को शीघ्र हटाया जाए ताकि शिक्षकों को उनके गृह जिले में सेवा देने का अवसर मिल सके। साथ ही तृतीय श्रेणी शिक्षकों व शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र शुरू करने के लिए डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की बैठक आयोजित करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा सरकार से लंबित शिक्षक स्थानांतरण नीति को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का आग्रह किया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि इन मुद्दों को लेकर जिला स्तर पर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा और अगर सरकार ने जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो प्रदेशव्यापी आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सरकार से आग्रह किया कि कर्मचारियों की जायज मांगों को गंभीरता से लिया जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यों में कोई बाधा न आए। सभी प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि कर्मचारी हितों की अनदेखी अब नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर बड़ा संघर्ष किया जाएगा। इस मौके पर रामजीलाल यादव, पेमाराम मीना, भरतलाल मीना, शीश मोहम्मद, नरेंद्र शर्मा, प्रवीन शर्मा, धारा सिंह, मनोज जैन, जय राम जाटव, निरंजन लाल, भगतराम मीना, योगेंद्र भारद्वाज, हरिसिंह वर्मा और रामकरण गुर्जर सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

निर्माणाधीन मकान से गिरा मिस्त्री, मौके पर मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र के विजय नगर में रविवार शाम को एक निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे मिस्त्री की दो मंजिला से गिरने पर मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहनलाल के रूप में हुई है, जो नमन होटल के पास खुदनपुरी का रहने वाला था। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने तुरंत घायल मिस्त्री को अलवर सामान्य अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोहनलाल दो मंजिला इमारत की ऊपरी सतह पर कार्य कर रहा था। इसी दौरान वह संतुलन बिगड़ने से पैड़े से फिसल गया और सीधे नीचे जा गिरा। गिरते समय उसके सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथी श्रमिक बदन सिंह ने बताया कि घटना बहुत ही अचानक हुई और किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना की जानकारी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शिवाजी पार्क थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी और शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। थानाधिकारी के अनुसार, परिजनों के आने के बाद सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे एक हादसा मान रही है, लेकिन घटनास्थल की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि निर्माण स्थल पर कोई सुरक्षा उपाय नहीं किए गए थे, जिससे यह हादसा हुआ। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। गौरतलब है कि निर्माण कार्यों में सुरक्षा के प्रति लापरवाही के चलते इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रशासन और ठेकेदारों द्वारा श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता नहीं बरतना अक्सर जानलेवा साबित हो रहा है। सोहनलाल की मौत ने एक बार फिर निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। परिजन और साथी श्रमिकों की मांग है कि घटना की गहन जांच की जाए और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

दो समुदायों में खूनी संघर्ष, तीन गंभीर रूप से घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सदर थाना क्षेत्र के गांव दादर में रविवार को कश्मीरी पंडित और सिख समुदाय के बीच पुरानी रंजिश और बच्चों के बीच हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ यह विवाद कुछ ही देर में खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया, जिसमें दोनों पक्षों के छह से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से सतनाम, मलकीत और जसवंत की हालत चिंताजनक बनी हुई है। तीनों को सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले गांव में बच्चों के बीच क्रिकेट को लेकर विवाद हुआ था। रविवार सुबह इसी बात को लेकर दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए। पहले बहस हुई और फिर लाठी-डंडों, तलवारों और पत्थरों से हमला शुरू हो गया। गांव का माहौल देखते ही देखते हिंसक हो गया। घायल सतनाम ने पुलिस को बताया कि वह बाजार से गांव लौट रहा था, तभी रास्ते में सचिन, नितिन और उनके साथियों ने उसे घेर लिया और तलवार व पत्थरों से हमला कर दिया। जब मलकीत और जसवंत बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो उन्हें भी पीटा गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए और जमकर मारपीट हुई। घटना में दोनों पक्षों के कई लोगों को चोटें आई हैं। हिंसा की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस लगातार निगरानी कर रही है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। प्रशासन ने गांव के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं से बदलेगी खेती की तस्वीरः जयपुर में हुआ 'युवा कृषक संवाद' का भव्य आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रदेश की राजधानी जयपुर में रविवार को 'युवा कृषक संवाद' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने की। यह आयोजन कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेती की ओर प्रेरित करना, कृषि की आधुनिक तकनीकों से उन्हें अवगत कराना और किसानों की समस्याओं का समाधान निकालना रहा। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है और खेती केवल जीविकोपार्जन का जरिया नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी है। वर्तमान में खेती को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में युवाओं की भागीदारी इस क्षेत्र को नई ऊर्जा और नवाचार दे सकती है। उन्होंने बताया कि 'युवा कृषक संवाद' कार्यक्रम से युवाओं को जैविक खेती, ड्रोन तकनीकी, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, स्मार्ट खेती जैसी उन्नत विधियों की जानकारी दी जा रही है। इस मौके पर किसानों को विभिन्न योजनाओं जैसे माइक्रो इरिगेशन, बीज मिनीकिट वितरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जिप्सम वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कस्टम हायरिंग सेंटर और प्रगतिशील कृषक भ्रमण जैसी योजनाओं की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही समस्याएं सुनीं और समाधान भी प्रस्तुत किए। डॉ. मीणा ने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम न केवल किसानों की समस्याओं को समझने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, बल्कि इससे किसानों की आय में भी बढ़ोतरी संभव होगी। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं का खेती से मोहभंग हो रहा है, जिसका कारण कृषि पैदावार में कमी है। ऐसे में राज्य सरकार का प्रयास है कि खेती को फिर से लाभकारी बनाया जाए और युवाओं को इसमें जोड़कर भविष्य की खेती को सशक्त बनाया जाए। कृषि मंत्री ने यह भी कहा कि ग्राम सभाओं की बैठकों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर किसान तक कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी पहुंचे। विभाग का प्रयास रहेगा कि हर योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम किसान तक पहुंचे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और किसानों ने भाग लिया। आयोजन ने यह संदेश स्पष्ट किया कि यदि युवा खेती में आगे आते हैं और तकनीक के साथ जुड़ते हैं, तो प्रदेश की खेती की तस्वीर निश्चित ही बदलेगी।

वन मंत्री ने किया कुशालगढ़ नाका चौकी और थैंक्यू बोर्ड का औचक निरीक्षण

अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी, सफाईकर्मियों की समस्याएं सुनकर समाधान का दिया भरोसा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शनिवार रात्रि सरिस्का के कुशालगढ़ वन नाका चौकी और थैंक्यू बोर्ड का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को चेताते हुए कहा कि ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपस्थित पंजिका की जांच की और अनुपस्थित कार्मिकों की गैरहाजिरी अंकित की। मंत्री ने सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्मिक अपने कार्यस्थल पर अलर्ट रहकर जिम्मेदारी से कार्य करें। उपस्थिति पंजिका में नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज होनी चाहिए और अनुपस्थित कर्मचारियों के अवकाश का स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई कर्मचारी अपने दायित्वों के प्रति लापरवाह पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर की साफ-सफाई को लेकर भी मंत्री ने असंतोष जाहिर किया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों की स्वच्छता और अनुशासन, दोनों ही प्राथमिकता में होने चाहिए। यह उल्लेखनीय है कि वन मंत्री ने इससे पहले 4 मई को टहला रेंज के वनपाल नाका कुण्डला का भी औचक निरीक्षण किया था, जहां उन्होंने अनुपस्थित कार्मिकों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

सफाईकर्मियों की समस्याएं सुनीं

रविवार को वन मंत्री ने अपने निवास 201 रघुमार्ग पर सफाईकर्मियों से मुलाकात की और उनके साथ जमीन पर बैठकर संवाद किया। मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि सफाईकर्मी शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं और उनकी परेशानियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि सफाईकर्मियों की विभिन्न मांगों और समस्याओं को राज्य सरकार तक पहुंचाया जाएगा और सकारात्मक समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार सफाईकर्मियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान कर्मचारियों ने काम के दौरान आने वाली समस्याएं, संसाधनों की कमी और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए और सफाईकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

वन मंत्री का यह दौरा कार्यस्थलों पर अनुशासन व जवाबदेही सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर पर कर्मचारियों की समस्याओं को सुनकर समाधान निकालने की दिशा में एक गंभीर प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

साढ़े तीन घंटे में अलवर ओपन जेल से हत्या का आरोपी फरार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर की सेंट्रल ओपन जेल से हत्या के आरोप में बंद एक कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है। जयपुर जेल से 16 मई की शाम करीब चार बजे लाया गया 45 वर्षीय आरोपी गोपाल मात्र साढ़े तीन घंटे में फरार हो गया। यह घटना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। पुलिस कोतवाली थाने में मुख्य प्रहरी विष्णु दत्त की ओर से दर्ज करवाई गई रिपोर्ट के अनुसार, फरार कैदी गोपाल पुत्र रामस्वरूप, निवासी वनकी, थाना हिंडौन, जिला करौली को जयपुर जेल से शिफ्ट कर अलवर की ओपन जेल में दाखिल किया गया था। शाम चार बजे उसे ओपन कैंप में लाया गया, लेकिन शाम 7.30 बजे कैदियों की गिनती के दौरान वह अनुपस्थित पाया गया। इसके तुरंत बाद उसकी खोजबीन शुरू की गई, लेकिन वह हाथ नहीं आया। घटना के बाद से जेल प्रशासन और पुलिस में हड़कंप मच गया है। आरोपी हत्या जैसे गंभीर मामले में बंद था, बावजूद इसके उसे ओपन जेल में क्यों रखा गया, यह सवाल अब अधिकारियों की कार्यशैली पर उठ रहे हैं।

ओपन जेल में आमतौर पर कम खतरनाक अपराधों के आरोपियों को ही रखा जाता है, ताकि वे जेल परिसर के भीतर कुछ सीमाओं के तहत कार्य कर सकें। लेकिन हत्या जैसे संगीन अपराध के कैदी को यहां भेजना गंभीर लापरवाही माना जा रहा है। गौर करने वाली बात यह भी है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले एक मार्च को भी अलवर ओपन जेल से दो अन्य कैदी – मुकेश पुत्र दीनदयाल निवासी हुडिया कला, थाना मांढ़ण और सतीश पुत्र प्रभुदयाल मीणा निवासी ईंदपुरा, थाना राजगढ़ – फरार हो चुके हैं। यह घटनाएं जेल की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती हैं और यह सवाल भी उठता है कि ओपन जेल की निगरानी किस हद तक प्रभावी है। फरार गोपाल की तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। आसपास के जिलों में नाकाबंदी कराई गई है, लेकिन खबर लिखे जाने तक कैदी का कोई सुराग नहीं मिला था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि क्या फरारी में किसी जेलकर्मी या अन्य व्यक्ति की मिलीभगत है। साथ ही, जेल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

राजकीय महाविद्यालय में रोड सेफ्टी क्लब का गठन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के निर्देश पर राजकीय महाविद्यालय बानसूर में रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया गया। यह गठन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। क्लब के मुख्य संरक्षक प्राचार्य स्वयं होंगे, जबकि संयोजक के रूप में वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. राकेश कुमार शर्मा को नियुक्त किया गया है। वहीं संकाय सदस्य डॉ. इन्द्रजीत शेरसिया और परमानंद वर्मा क्लब के सदस्य रहेंगे। प्राचार्य ने जानकारी दी कि हर वर्ष देशभर में सैकड़ों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा देते हैं या गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। इन घटनाओं में चालक की लापरवाही एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता की कमी मुख्य कारण बनती है। ऐसे में आमजन को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। क्लब के माध्यम से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को परिवहन विभाग और पुलिस विभाग के सहयोग से सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये छात्र-छात्राएं स्वयं भी जनसमुदाय में जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देंगे और उन्हें सतर्क बनाएंगे। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य ने कहा कि इस क्लब की स्थापना का उद्देश्य युवाओं में ट्रैफिक नियमों के प्रति गंभीरता लाना है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में ट्रैफिक संकेत, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल से दूरी जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

चिंतन

आतंकवाद के पोषक देश पाक की घेराबंदी जरूरी

पाकिस्तान की माली हालात किसी से छिपी नहीं है। कौन नहीं जानता कि बीते साल की अंतिम तिमाही के दौरान अगर कर्ज नहीं मिलता तो पाकिस्तान दिवालिया हो चुका होता। हालांकि अब उसके हालात में कुछ सुधार है, लेकिन ऐसा तो कतई नहीं है कि खजाना भर चुका है और वो जो चाहे कर सकता है। वर्तमान में भी पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज का शिकंजा इतना कड़ा है कि वो कभी भी फिर से दलदल में फंस सकता है। विदेशी कर्ज बढ़कर 7.3 लाख करोड़ हो चुका है जबकि देशी कर्ज का आंकड़ा 14.3 लाख करोड़ को पार कर गया है। वहां पैदा होने वाले हर बच्चे के सिर पर 86.5 हजार रुपये कर्ज है। इतना होने के बावजूद पाक हुकूमत है कि सुधरने का नाम नहीं ले रही। वो कर्ज लेकर आतंकियों के पोषण में लगी है। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद समेत न जाने कितने आतंकी समूह हैं जिन्हें पाक सरकार पाल-पोस रही है। लश्कर-ए-तैयबा ने 21 देशों में पहचाने गए भर्ती नेटवर्क के साथ अंतरराष्ट्रीय पहुंच बना रखी है। संगठन का टारगेट किसी भी तरह से भारत में अशांति पैदा करना है। इसका नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय आतंकी हाफ़िज़ मुहम्मद सईद करता है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद वह पाकिस्तान में सक्रिय है। बाकायदा उसे वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाता है। इसी गुट में ज़फ़र इक़बाल, मुहम्मद याह्या मुजाहिद और ज़कीउर रहमान लखवी भी शामिल हैं। लखवी 2008 में मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड में से एक था। लेकिन पाक सरकार ने उसे खूब संरक्षण दिया। ऐसे ही पाक सरकार के नापाक इरादों के कारण जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी गुट फल फूल रहे हैं। हैरत की बात है कि पूरी दुनिया को पाक के आतंकी नेटर्वक की जानकारी होने के बावजूद इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने उसे कर्ज जारी कर दिया, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। अब आईएमएफ ने पाकिस्तान को भारत के साथ बढ़ते तनाव पर चेतावनी दी है। संगठन ने कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे, तो पाकिस्तान के एक बिलियन डॉलर (करीब 8,542 करोड़) के बेलआउट प्रोग्राम की अगली किस्त रोकी जा सकती है। साथ ही, लोन की अगली किश्त जारी करने के लिए पाकिस्तान पर 11 नई शर्तें लगाई गई हैं। अब लोन के लिए पाकिस्तान पर कुल शर्तें 50 हो गई हैं। आईएमएफ ने कहा कि अगर तनाव जारी रहा या और बढ़ा, तो पाकिस्तान का रक्षा बजट लोन पर बोझ बन सकता है। ये पहले ही 12 फीदसी बढ़कर 2.414 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपया हो चुका है और पाक सरकार इसे 18 प्रतिशत बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपया करने पर अड़ी है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने 9 मई को पाकिस्तान को 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 12 हजार करोड़) का नया लोन दिया था, लेकिन अब लोन की अगली किश्त के लिए नई शर्तों को जोड़ा गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आईएमएफ अपने इस फैसले पर सख्ती से अमल करेगा। इसके अलावा आतंकी फंडिंग पर निगाह रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था एफएटीएफ भी उसे ग्रे से काली सूची में डालेगा। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान की घेरेबंदी जारी रहे। अगर वह आतंक का रास्ता न छोड़े तो उसे एफएटीएफ की काली सूची में अवश्य डाला जाए। जैसे भारत की आपत्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सख्ती दिखाई है, उसी तरह एफएटीएफ को भी सचेत किया जाना चाहिए ताकि वो पाक को ईरान और उत्तर कोरिया की तरह अलग-थलग करे। अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान खुद ही अपने बोझ से टूटकर बिखर जाएगा।

कूटनीति

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

मोदी सरकार का निर्णय है कि ऑपरेशन सिंदूर और भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई के संदर्भ में, सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों सहित प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे। इस विशेष पहल को लेकर पॉलिटिक्स इसलिए हो रही है क्योंकि भारत के प्रधान मंत्री ने जिन सात लोगों को विशेष नेतृत्व करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी, उसमें शशि थरूर का नाम कैसे सम्मिलित हो गया। यद्यपि सर्वविदित है कि शशि थरूर अच्छे डिप्लोमेट हैं। वह भारत के विदेश राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। वह विश्व की डिप्लोमेटिक स्थिति को भली प्रकार समझते हैं और अपनी बात भारत के पक्ष में रखने के लिए सबसे सशक्त व्यक्तित्व हैं।

शशि थरूर पर हंगामा क्यों है बरपा

भारत की नरेंद्र मोदी सरकार ने विश्व के विविध देशों में भारतीय प्रतिनिधियों को भेजकर यह सन्देश देने का बीड़ा उठाया है कि हम पाकिस्तान के गलत इरादे को अब कामयाब नहीं होने देंगे। पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधि, युद्ध परस्त नीति एवं हिंसक सत्ता को इस प्रकार विश्व स्तर पर उजागर करने का यह इनिशिएटिव पूरे भारत में प्रशंसा बटोर रहा है। सरकार का निर्णय है कि ऑपरेशन सिंदूर और भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई के संदर्भ में, सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों सहित प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे।

यह प्रतिनिधिमंडल सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णु बनाने के देश के मजबूत संदेश को आगे बढ़ाएंगे। विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक में बतौर टीम लीडर जो नाम उभरकर आया है, उसमें सम्मिलित हैं शशि थरूर, कांग्रेस, रविशंकर प्रसाद, भाजपा, संजय कुमार झा, जदयू, बैजयंत पांडा, भाजपा, कनिमोझी करुणानिधि, डीएमके, सुप्रिया सुले, एनसीपी, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शिव सेना। सरकार की इस पहल की प्रशंसा होनी भी चाहिए, क्योंकि जिस प्रकार से तुर्किये और चीन की छांव पाकर पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और उस पर कार्रवाई भारत करे तो युद्ध करने को तैयार है, वह निंदनीय भी है और उसकी नीति को उजागर करना भी ज़रूरी है। इस विशेष पहल को लेकर पॉलिटिक्स इसलिए हो रही है क्योंकि भारत के प्रधान मंत्री ने जिन सात लोगों को विशेष नेतृत्व करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी, उसमें शशि थरूर का नाम कैसे सम्मिलित हो गया। यद्यपि पूरे भारत और विश्व को विदित है कि शशि थरूर अच्छे डिप्लोमेट हैं। वह भारत के विदेश राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। वह विश्व की डिप्लोमेटिक स्थिति को भली प्रकार समझते हैं और अपनी बात भारत के पक्ष में रखने के लिए सबसे सशक्त व्यक्तित्व हैं। उन्होंने असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन किया है। भारत की विदेश नीति के लिए वह केवल सशक्त हस्ताक्षर नहीं हैं अपितु उन्हें एक अच्छे वक्ता, लेखक के रूप में जाना जाता है तो वह भारतीय संस्कृति व सभ्यता के सशक्त संरक्षक भी हैं, यह भी देश को समझना चाहिए। इसलिए नरेंद्र मोदी ने शशि थरूर को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को लीड करने की जो जिम्मेदारी दी है, वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय है।

इस चयन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें इस बात का भान है कि कौन सा व्यक्ति अमेरिका में जाकर भारत का मजबूती से पक्ष रख सकता है और वहां भारत का झंडा ऊंचा करके आ सकता है। विगत दो-तीन सप्ताह में भारत और अमेरिका के संबंध बहुत स्थिर नहीं रहे। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इतनी बार बयां बदले और इतने तरीके से रंग बदले कि भारत ही नहीं पूरा विश्व कन्फ्यूज है कि ट्रंप कहना क्या चाहते हैं और वास्तविकता है क्या? उन्होंने अपने अंतिम इंटरव्यू फॉक्स न्यूज में यह कह दिया कि सीज फायर तो हमने ही करवाई है लेकिन भारत उन्हें श्रेय नहीं देना चाहता। उसके पहले उन्होंने न जाने कितनी जगह जाकर भारत

के बारे में जो मन में आया खूब उसे प्रचारित व प्रसारित किया। वह गुस्से में आकर यह भी कहने लगे कि एप्पल के प्रोजेक्ट को हम खींच रहे हैं।

व्यापक पैमाने पर जब यह ख़बरें गयी तो विश्व में यह सन्देश गया कि भारतीय डिप्लोमेसी ट्रेड डील को भी शायद गंवा देगी। ऐसी स्थिति में यदि नरेंद्र मोदी ने शशि थरूर को अमेरिकी भूमि पर जाकर भारतीय पक्ष को रखने की जिम्मेदारी दी है तो यह उनकी अपनी सूझबूझ है। इस पर कांग्रेस सरकार का पलटवार है और भारत में शशि थरूर पर भी प्रश्नों की बौछार है लेकिन शशि थरूर एक सुलझे हुए ऐसे व्यक्तित्व हैं जो यह जानते हैं कि उनके लिए नेशन फर्स्ट का अर्थ क्या है और उन्हें इस स्थिति में क्या करना चाहिए। शशि थरूर ने जो यह कहा कि हमें सरकार ने यदि जिम्मेदारी दी है तो मैं अपने दायित्व का निर्वहन करूंगा और हमारे लिए नेशन फर्स्ट है उसके बाद हम पॉलिटिकल पार्टी को कुछ समझते हैं। निःसंदेह किसी भी आम भारतीय नागरिक का यही बयान होना चाहिए जहां देश की बात आ जाए। अब कांग्रेस का सबसे बड़ा संकट यह है कि शशि थरूर का नाम उसने नहीं भेजा था। उनके नाम को कहां से आगे लाया गया और जिस नाम को भेजा गया उन्हें क्यों सरकार ने तरजीह नहीं दी। कांग्रेस का संकट यह है कि कि उसके तो ब्रांड अंबेसडर शर्मा व गोगोई थे फिर शशि थरूर का नाम क्यों आगे लाया गया? शशि थरूर को भारतीय जनता पार्टी की नरेंद्र मोदी सरकार ने क्यों अमेरिका में डेलिगेशन को लीड करने की जिम्मेदारी दी? लेकिन कांग्रेस को यह नहीं भूलना चाहिए कि शशि थरूर अमेरिकी सरकार के सामने मजबूती से अपनी बात को रख सकते हैं तो वह भारत की ज़रूरत हैं। उसे रिएक्ट नहीं करना चाहिए। यदि सही राजनीति आती तो कांग्रेस को एक पत्र लिखकर यह कहना चाहिए था कि मोदी जी आपने बहुत अच्छा निर्णय लिया। शशि थरूर ही सही ज़वाब दे सकते हैं अमेरिकी ट्रंप सरकार को और वही सही से पाकिस्तान की नकारात्मक कार्रवाइयों को सही से लच्छेदार भाषा में उजागर भी कर सकते हैं। लेकिन यह बड़े दिल को प्रत्यारोपित करके कांग्रेस से करवाया नहीं जा सकता। यदि नेहरू या इंदिरा होते तो ज़रूर शशि थरूर के नाम को आगे बढ़ने पर ख़ुशी ज़ाहिर करते। भारत वास्तव में अब जिस ओर बढ़ गया है उसके परिणाम आने वाले एक साल बाद दिखेंगे। सरकार का यह मानना है कि हम विश्व में पाकिस्तान को एक्सपोज करेंगे और भारत के बारे में अच्छी छवि गढ़ेंगे। यह ठीक है लेकिन यह एक बार डेलिगेशन के चले जाने से बहुत फर्क पड़ने वाला नहीं है। यह एक निरंतर गतिविधि का हिस्सा बनना चाहिए और कायदे से नरेंद्र मोदी सरकार को अब यह चाहिए कि वह इस अभियान को लगातार बनाए रखे। यह इसलिए भी ज़रूरी है क्योंकि डेलीगेशन एक आंधी की भांति हो सकता है। कुछ समय के लिए अपनी हवा का असर डाल दे लेकिन हमेशा वह कैसे बना रहा सकता है, इस पर विचार होना चाहिए। नरेंद्र मोदी सरकार को इस डेलीगेशन के माध्यम से केवल पाकिस्तान को टार्गेट नहीं करना चाहिए अपितु उसे संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी सदयता व वीटो पॉवर के लिए भी भारतीय दृष्टि स्पष्ट करनी चाहिए। अपने शांति व सौहार्द की नीति के साथ उसे यह भी विश्वास जीतने की कोशिश करनी चाहिए कि जिन देशों में भारतीय शिष्टमंडल जाए, वह यह भी कहे कि यदि भारत को वीटो पॉवर मिलती है तो वह सहयोगी देशों में भी अमन व शांति के स्थाई विकास के लिए कार्य कर सकेगा। जो भी हो, दृष्टि व दूरदर्शिता से ही भारत अपने लक्ष्य को उपलब्धियों में बदल सकता है। शशि थरूर इसमें सरकार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी बन सकते हैं। सकारात्मक होकर सोचें तो हंगामा करने की जगह सहयोग व प्रसन्नता को अभिव्यक्त करके देखें, निश्चय ही वह अपने देश की प्रसन्नता की बात होगी।

(लेखक केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं। लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

बयानबाज़ी

डा. चन्द्र त्रिखा

विकृत मानसिकता वाले नेताओं पर लगे अंकुश

कभी-कभी लगता है कि हमारे आसपास ऐसे राजनेताओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है जो अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। मध्यप्रदेश के एक मंत्री और उत्तरप्रदेश के एक वरिष्ठ राजनेता के बयान ऐसा साफ संकेत दे रहे हैं कि राजनेताओं के एक वर्ग ने भाषा की मर्यादा व गरिमा को तार-तार करने का बीड़ा उठा लिया है। मीडिया के समक्ष भी ढेरों महत्वपूर्ण विषय थे, 'कवरेज' और विश्लेषण के लिए, मगर चंद असंतुलित मानसिकता वाले नेताओं ने मीडिया की उस 'स्पेस' पर भी डाका डाल लिया। मध्यप्रदेश के एक चर्चित मंत्री को तत्काल नकेल डालने के प्रयास केंद्र की ओर से होते तो शायद उत्तरप्रदेश व बिहार के कुछ नेताओं को बेलगाम ज़हरीले बोल बोलने का साहस न होता। हाईकोर्ट के जिस न्यायधीश ने बड़बोले मंत्री के खिलाफ 'एफआईआर' दर्ज करने का आदेश दिया, उसे अपने आदेश में यह भी जोड़ना पड़ा कि 'हो सकता है कि कल मैं न रहूं, आगामी चार घंटों में ही आदेश का पालन हो'। ऐसी गंभीर टिप्पणी के बाद भी जिस तरह की गोलमोल 'एफआईआर' दर्ज हुई, उससे पता चलता है कि हम किस तरह के माहौल में जी रहे हैं। कभी-कभी लगता है कि हमारा पूरा परिवेश मंटो की एक कहानी 'टोबा टेक सिंह' के पात्रों सरीखा बर्ताव करने लगा है। हमारा देश अपनी राष्ट्रीय अखण्डता की रक्षा व मर्यादा के लिए पूरी गंभीरता से जूझ रहा है, प्रधानमंत्री के साथ-साथ हमारे विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और गृहमंत्री एक महत्वपूर्ण बिन्दु पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, इधर, कुछ मर्यादाविहीन राजनेता राष्ट्रीय गरिमा पर खरोंचे डालने में लगे हैं। ऐसे मामलों में कोई भी छूट संभव नहीं। मीडिया को भी ऐसी बाज़ारू-सियासत की 'कवरेज' की सीमाएं तय करनी होंगी। एक सुखद पहलू यह है कि अतीत में शशि थरूर व ओवैसी सरीखे कतिपय मुस्लिम नेता भले ही अपने बयानों में कुछ गैर-ज़िम्मेदाराना टिप्पणियां देते रहे हों, मगर इस बार पहलगाम-प्रकरण के मध्य उन्होंने भी इस बात को पूरी गंभीरता से महसूस किया कि बड़बोलेपन की 'रौ' में यदि उनकी तरफ से कोई गैर-जिम्मेदाराना बयानबाज़ी होती है तो उनकी अपनी ही छवि विकृत होगी। विकृत मानसिकता वाले तत्वों के विरुद्ध तात्कालिक अंकुश की ज़रूरत है और विशेष रूप से जब ऐसी मानसिकता वाले लोग उच्च पदों पर आसीन हों। यह मानसिकता भी उतनी ही ज्यादा खतरनाक है, जितना कि आतंकवाद। दोनों के साथ राष्ट्र की गरिमा व सुरक्षा जुड़ी हुई है। इस प्रकरण का एक दुखद पहलू यह भी है कि मध्यप्रदेश के जिस मंत्री के विवादित व बेलगाम बोल से हंगामा आरंभ हुआ था, आठ बार चुनाव जीत चुके हैं। इतनी लम्बी सियासी पारी के बावजूद वह अपनी वाणी को लगाम नहीं दे पाए। अब उनका नया वक्तव्य भी चौकाने वाला है। सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते तो मामला इतना नहीं बढ़ता। आज के नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए तो तत्काल सुधारता है। जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। बेकाबू व मर्यादाहीन बयानबाज़ी वस्तुतः हमारी आज की राजनीति की एक कटु सच्चाई बन चुकी है। सिर्फ चर्चा में बने रहने के लिए यह जरूरी माना जाता है कि उल्टे सीधे बयान दाग दिए जाएं। छपास का यह रोग भी एक खतरनाक वायरस से कम नहीं है। मगर इसका 'एंटी वायरस' केवल पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के पास ही है। यदि तात्कालिक चेतावनी या कार्यवाही हो जाती तो बात इतनी न बिगड़ती। मगर भाषा की मर्यादा के हनन पर कोई एफआईआर भी तो दर्ज नहीं हो पाती। सिलसिला अभी भी जारी है और यह विकृत मानसिकता, राष्ट्रीय दलों के राष्ट्रीय नेतृत्व व मीडिया के कर्णधारों से भी अंकुश की मोहताज है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार और साहित्यकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

क्या आप पूर्ण रूप से सुखी है

संकलित

दर्शन

वर्ष 1920 में योगानंद जी जब अमेरिका गए थे, तो उस समय अमेरिका पूरे उत्साह में था। उस समय वह पूंजीवाद के अपने दर्शन को लेकर तेजी से प्रगति कर रहा था। योगानंद जी अनेक सफल व्यवसायियों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों इत्यादि से मिले और उन सबने यह स्वीकार किया कि योगानंद जी उनके मध्य उस वस्तु को लेकर आए थे, जिसकी उनके जीवन में कमी थी। मैं आपको एक छोटा-सा मनोरंजक वृत्तांत सुनाता हूं : जब वे न्यू यार्क नगर में व्याख्यान दे रहे थे तो एक व्यक्ति ने उनसे भेंट करने की अनुमति मांगी। वह व्यक्ति उनके होटल के कमरे में आया और इससे पूर्व कि योगानंद जी कुछ कहते, उसने एक चुनौतीपूर्ण ढंग से कहा, 'मैं अत्यधिक धनवान हूं, मैं पूर्ण रूप से स्वस्थ हूं,' जिसका अर्थ यह था कि 'आप यहां किसलिए आए हैं?' योगानंद जी ने उसे तुरंत उत्तर दिया, 'हां, किंतु क्या आप पूर्ण रूप से सुखी हैं?' बाद में उस व्यक्ति ने कहा, 'मैं निरुत्तर हो गया था!' उस व्यक्ति ने अपना शेष जीवन एक क्रियायोगी के रूप में व्यतीत किया। बाह्य रूप से वह करोड़पति उद्योगपति था, परंतु अंदर से वह एक प्रबुद्ध योगी था। यह कह पाना और एक अद्भुत अनुभूति है कि ईश्वर की इच्छाशक्ति से सशक्त हुई मेरी इच्छाशक्ति मेरे लक्ष्य को पूरा करेगी। यदि आप आलसवश सब कुछ दिव्य शक्ति पर छोड़ देते हैं और ईश्वर द्वारा आपको दी गई अपनी इच्छाशक्ति की अवहेलना करते हैं तो परिणाम प्राप्त नहीं होंगे।

दो अनमोल हीरे

संकलित

प्रेरणा

एक व्यापारी को बाज़ार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊँट दिखाई पड़ा। व्यापारीव्यापारी ऊँट खरीद कर घर ले आया। घर पहुँचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊँट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊँट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी बोला- मैंने ऊँट ख़रीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाज़ार पहुँचा और दुकानदार को मख़मली थैली वापिस दे दी। ऊँट बेचने वाला बहुत ख़ुश था। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊँट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊँट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रख़ लिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियाँ के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

बारिश की उम्मीद

रविवार को आसमान में काले बादल छाने के कारण बारिश की उम्मीद में किसान कटे हुए धान को घर ले जाते हुए।

आज की पाती

बेतुकी बयानबाजी न करें सियासी नेता

कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को कामयाब बनाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मिशन के तहत आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना ने हमला किया। कर्नल सोफिया कुरैशी को सारे देश ने सराहा और उनके हौसले व जज्बे को सलाम किया। लेकिन मध्यप्रदेश के एक मंत्री ने सोफिया कुरैशी को लेकर जो बयान दिया, वो बहुत निंदनीय है। इस बयान को लिखने में भी हमें अच्छा नहीं लग रहा है। हालांकि इस मंत्री के बयान से इनकी पार्टी का हाईकमान भी नाराज दिख रहा है और हाइकोर्ट ने भी इसके लिए सख्ती दिखाई और मंत्री को गिरफ्तार करने का भी आदेश दिया है। कुछ राजनेता देश के लिए कुछ खास तो करते नहीं, लेकिन ऐसी गलत बयानबाजी कर देते हैं जिससे देश के लिए कुछ करने वाले लोगों का हौसला कम होता है व उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचती है।

– प्रकाश लकड़ा, कांकेर

ट्रेंड

शानदार उपलब्धि

दोहा डायमंड लीग 2025 में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने और अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत थ्रो हासिल करने के लिए नीरज चोपड़ा को बधाई। यह उनके अथक समर्पण, अनुशासन और जुनून का नतीजा है। भारत को ख़ुशी और गर्व है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सार्थक व उपयोगी बातचीत

सागरमाथा संवाद के लिए नेपाल की यात्रा में 'जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य' पर सार्थक और उपयोगी बातचीत हुई। भारत अपने पर्वतों और अपने पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को उलट देता है। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं

-भूपेन्द्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री

गहरी संवेदना व्यक्त

हैदराबाद में हुए भीषण अग्निकांड में कई लोगों की मृत्यु और अनेक के घायल होने का समाचार दुखद है। इस शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। **-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद**

यमुना की सफाई हो

नदी जीवन देती है, किसी का जीवन लेती नहीं है। भाजपा सरकार यमुना पर सिर्फ़ सियासत करेगी या नदी की सफाई की जगह केवल फंड का सफाया? यमुना नदी ताजमहल के पीछे बहती है, जहाँ दुनिया भर से टूरिस्ट आते हैं। दूषित नदी सरकार की छवि को भी दूषित कर रही है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

ब्रिटिश पर्वतारोही ने 19वीं बार फतह किया एवरेस्ट

ब्रिटिश पर्वतारोही गाइड ने रविवार को 19वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की और उन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर सबसे अधिक बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। ब्रिटिश पर्वतारोही, माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने वाले ऐसे व्यक्ति हैं, जो शेरपा नहीं हैं। 'हिमालयन गाइड्स नेपाल' के ईश्वरी पौडेल ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के रहने वाले 51 वर्षीय केंटन कूल ने रविवार को कई अन्य पर्वतारोहियों के साथ 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर चढ़ाई की और उनका स्वास्थ्य अच्छा है तथा वे शिखर से नीचे उतर रहे हैं। 'हिमालयन गाइड्स नेपाल' ने अभियान में जरूरी सामान मुहैया कराया था। कूल ने पहली बार 2004 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी और तब से वे लगभग हर साल ऐसा करते आ रहे हैं। वह 2014 में एवरेस्ट पर चढ़ने में असमर्थ रहे थे क्योंकि 16 शेरपा गाइडों के हिमस्खलन में मारे जाने के बाद अभियान को रद्द कर दिया गया था। वर्ष 2015 में जब भूकंप के कारण हिमस्खलन हुआ था, तब 19 लोगों की मौत हो गयी थी। कोरोनावायरस महामारी के कारण 2020 में सत्र को रद्द कर दिया गया था। सैकड़ों पर्वतारोही और उनके गाइड वसंत मौसम में चढ़ाई के दौरान पहाड़ पर हैं, जिनमें से कई पहले ही सफल हो चुके हैं।

ऑफ बीट

रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

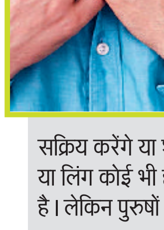

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंत:स्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को वापस संकेत भेजते हैं। ये संकेत या तो शरीर को ठंडा करने के लिए पसीने को सक्रिय करेंगे या शरीर को गर्म करने के लिए कंपकंपी को सक्रिय करेंगे। उम्र या लिंग कोई भी हो, किसी को भी रात में पसीना आने का अनुभव हो सकता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं को रात में पसीना अधिक आता है, इसका मुख्य कारण रजोनिवृत्ति और संबंधित बदलते हार्मोन स्तर हैं। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव से नॉरपेनेफ्रिन और सेरोटोनिन के स्तर पर प्रभाव पड़ता है, ये दो न्यूरोट्रांसमीटर हैं, जो हाइपोथैलेमस में तापमान विनियमन को प्रभावित करते हैं।

दा लॉर्ड कृष्णा स्कूल का परिणाम रहा शानदार, विद्यार्थियों का किया सम्मान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

हरसौली स्थित दा लॉर्ड कृष्णा स्कूल में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिसमें कक्षा 10वीं का परिणाम सर्वोत्तम 98 प्रतिशत रहा व कक्षा 12वीं का परीणाम सर्वोत्तम 93 प्रतिशत रहा। इस सफलता की उपलब्धि पर सफल हुए विद्यार्थियों के सम्मान में रोड शो हुआ। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि एएसपी रतनलाल भार्गव ने झंडी दिखा कर किया। उन्होंने सफल हुए बच्चों को बधाई दी और सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। निदेशक राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि सहित अन्य सभी अतिथियों व अभिभावकों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। रोड शो में रैली का जगह- जगह स्वागत किया। उच्च स्कोर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के गांव जाकर उनके माता-पिता व परिवार जनों का स्वागत व सत्कार किया। रोड शो विद्यालय से संतदास जी मंदिर में आशीर्वाद लेकर मुडांवर, खैरथल होते हुए पुनः विद्यालय में संपन्न हुआ।

शनि देव की मूर्ति स्थापना समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा कस्बे में खटीक समाज की ओर से खटीक धर्मशाला में भगवान शनि देव की मूर्ति स्थापना समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया खटीक समाज के अध्यक्ष मुरारी लाल ने बताया कि शनि देव महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा तिजारा कस्बे के विद्वान पंडित राम अवतार शर्मा द्वारा विधि विधान के साथ मूर्ति स्थापित की गई और 17 मई की रात्रि को शनि देव महाराज का विशाल जागरण किया गया 18 मई को इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की इस कार्यक्रम में तिजारा नगर परिषद के उपसभापति हरीश सांवरिया श्री चंद बिरजू पहाड़िया फकीरचंद पहाड़िया मोहन कालू प्रजापत कब्बू प्रीतम पड़िया पूर्व पार्षद मुंशीलाल नेमीचंद मंदिर पुजारी समाज के अनेक लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पवित्र मनन दीप द्वारा जगह-जगह लगाये पक्षियों के लिए परिंडे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

पवित्र मनन दीप सत्संग सेवा संस्थान कोटकासिम द्वारा गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ने अपने सत्संग परिवार के साथ मिलकर अनेक जगह पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए और दाने की व्यवस्था की। इस दौरान गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ने कहा हमें प्राणियों की सेवा करनी चाहिए और गर्मियों में परिंडे लगाने का बहुत अधिक धर्म होता है। उन्होंने कहा आज लोग सेवा को भूलते जा रहे हैं इसलिए हम अध्यात्म की ओर नहीं बढ़ पाते और प्रभु की कृपा हमें नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा सेवा करने से अहंकार समाप्त होता है और हम ईश्वर की ओर बढने् शुरू होते हैं आगे उन्होंने कहा आध्यात्म की पहली सीढ़ी ही सेवा है इसलिए तन मन धन से परहित के लिए कार्य करना चाहिए जो नारायण प्रसन्न हो। इस दौरान पवित्र मनन दीप के पवन उर्फ गोली प्रजापत, मीडिया प्रभारी पवन योगी, मोहन योगी, राजेश कुमार, दुर्गेश योगी, प्रमोद कुमार, लक्ष्मी देवी, बिमला देवी, प्रेम देवी, सरवन देवी, मौसम देवी, गीता देवी, कोमल देवी सहित सत्संग परिवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सिटी पैलेस का सभा निवास भी अब पर्यटक देख पाएंगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ने जयपुर के सिटी पैलेस में स्थित ऐतिहासिक सार्वजनिक हॉल सभा निवास को फिर से खोलने की घोषणा की है। व्यापक संरक्षण व जीर्णोद्धार के बाद यह वास्तुशिल्प स्थल जो कभी शाही दरबार और औपचारिक स्वागत के लिए तैयार था, फिर से अपनी पूर्ण भव्यता के साथ आगंतुकों के लिए एग्जीबिशन के तौर पर खोल दिया गया है। इसके साथ ही हॉल की मूल विशेषताओं के विविध पहलु लोगों को देखने को मिलते हैं, जिसमें इसके खुले मेहराब, जटिल नक्काशीदार संगमरमर के स्तंभ और जीवंत रंगों व सोने के काम से सजी खूबसूरत छतें शामिल हैं, जो जयपुर के कलाकारों के शिल्प कौशल के जीवंत प्रमाण हैं।

अहंकार इंसान को खत्म कर देता है, जबकि विनम्रता जीवन का गहना -सन्त लाल भगत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़ बास

मोठूका में स्वामी दयाराम साहब दरबार में दो दिवसीय मेला पल्लव के बाद सम्पन्न हुआ भरा गया। मेले में आसपास के गांवों सहित दूर दराज के प्रांतों से आए श्रद्धालुओं ने मथा टेक, दर्शन कर मन्नतें मांगी। संतों के आशीर्वाद लेने के लिए महिलाओं पुरुषों की लंबी लाइन लगी हुई थी स्वामी दयाराम साहब दरबार के संतलाल भगत ने सत्संग कर प्रवचन देते हुए कहा कि अहंकार इंसान को खत्म कर देता है। अहंकार से जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता, जबकि विनम्रता जीवन का गहना है। अभिमान करने वालों का सिर झुकता जरूर है, जबकि विनम्र भाव से जरूरतमंदों की सेवा करने वाले भव सागर से भी पार हो जाता हैं। सत्संग ज्ञान के माध्यम से परमात्मा की प्राप्ति होती है। जो शांति स्वरूपी ईश्वर को प्राप्त कर लेते हैं उसे संत कहते हैं।संत संसार के जीव कल्याण के लिए कार्य करते हैं।मानव जीवन में दुख विकार को हरने के लिए संत संसार में आते हैं। भूले हुए लोगों को संसार के सही मार्ग पर लाने का काम संत करते हैं। यदि सत्संग का आयोजन समय-समय पर ना हो तो मनुष्य सही मार्ग से भटक जाता है सत्संग सत्य मार्ग बतलाता है मेले में संत लाल भगत, अलावा संत मोहन भगत खैरथल, संत ललित भगत इस्माइलपुर, बब्बू शर्मा मुंबई, ,, साांई हरीराम उज्जैन, जयैशकुमार बडौदा ,साांई जीतूराम जयपुर, अशोक घायल अजमेर,, सतगुरु साहय सेवा मंडली आगरा, सहित अनेक भजन मंडलिया ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया मेला स्थल पर सैकड़ों अस्थाई दुकानें लगी रही। लोग खरीदारी कर रहे थे। मेले में जयपुर , अजमेर, ब्यावर, अहमदाबाद,सुरत,आगरा, भरतपुर ,अलवर, दिल्ली, हरिद्वार, बीकानेर , डूंगरगढ़,खैरथल, मुंडावर, तिजारा,, भिवाड़ी किशनगढ सहित अनेक जगह से श्रद्धालु पहुंचे ।मेले में पहुंचे जिला प्रमुख बलबीर चिल्लर, पूर्व विधायक रामहेत यादव , पंचायत समिति किशनगढ़ बास प्रधान बद्री प्रसाद सुमन ने संतलालभगत से आशीर्वाद लिया व बोरिंग पप का उदघाटन किया

76वर्षों से भर रहा मेला

गांव मोठूका में स्वामी दयाराम साहब का मेला भारत पाकिस्तान के विभाजन के बाद 1948 में शुरू हुआ है। इससे पहले यह मैला पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भरता था अब प्रति वर्ष गांव मोठूका में भरता है मेले में हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। इस बार मेले के दो दिन करीब 20 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन कर मन्नतें मांगी।मैले की व्यवस्थाएं में प्रदीप भगत, सुनील भगतानी,श्याम मघनानी, , डा युधिस्टर पमनानी, डॉ राजेश पमनानी, प्रेम भगतानी,अर्जुनदास भगतानी, शयामन भगतानी, कमलेश पमनानी, इंदर भगतानी, नंदलाल भगतानी, गोरधन भगतानी, मनोज भगतानी, इंदर लखयानी , लीलाराम लखयानी, चेतन दास, जीवत राम ,कैसामल, रूपचंद देवजानी, रवी भगतानी, राम भगतानी, प्रेम भगतानी, ,, मुरलीधर, लालचंद बचानी,हेमन मंघनानी, सहित अनेक सेवादार मौजूद थे।

टपूकड़ा में तिजारा विधानसभा के पांचो मंडलों की बैठक सम्पन्न हुई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

रविवार को जिला अलवर उत्तर विधानसभा तिजारा मंडल टपूकड़ा में आर के बोहरा गेस्ट हाउस पर तिजारा विधानसभा के पांचो मंडलों की आगामी 19 मई 2025 को माननीय मुख्यमंत्री जी के अलवर आगमन एवं जिला खैरथल में होने वाली तिरंगा यात्रा के संदर्भ में बैठक संपन्न हुई सर्वप्रथम भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर बैठक की शुरुआत की इस बैठक की अध्यक्षता टपूकड़ा मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने की बैठक में मुख्य अतिथि जिला अलवर उत्तर जिला अध्यक्ष महा सिंह चौधरी रहे माननीय जिला अध्यक्ष ने अलवर में होने वाली मुख्यमंत्री की जनसभा के बारे में विस्तार बताया एवं जिला खैरथल में होने वाली तिरंगा यात्रा के संदर्भ में विस्तार पूर्वक बताया जिला अध्यक्ष ने अलवर में होने वाली मुख्यमंत्री की सभा का संयोजक एडवोकेट दिनेश यादव एवं तिरंगा यात्रा का संयोजक राजस्थान विश्वविद्यालय अध्यक्ष पवन यादव को एवं सहसंयोजक किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष ब्रज मोहन तंवर को लगाया है आज की इस बैठक में पूर्व विधायक मास्टर मामन सिंह यादव, अलवर ग्रामीण प्रत्याशी एवं ऐसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मास्टर रामकिशन मेघवाल, तिजारा पंचायत समिति प्रधान जेपी यादव, जिला महामंत्री हर्ष यादव, अनूप यादव, भाजपा नेता विक्रम यादव, शाहाबाद मंडल अध्यक्ष कृष्णा यादव, तिजारा पूर्व मंडल अध्यक्ष बने सिंह बिधूड़ी, भिवाड़ी मंडल अध्यक्ष नरेंद्र खटाना, गेलपुर आईटी सेल अध्यक्ष अनिल यदुवंशी, राजवीर सिलारपुर और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भिवाड़ी में केबल कंपनी से 2 लाख की कॉपर वायर चोरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के चोपानकी रीको औद्योगिक क्षेत्र में विक्टर केबल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने खिड़की की जाली काटकर कंपनी में घुसपैठ की और 180 किलोग्राम कॉपर वायर चुरा लिया, जिसकी कीमत लगभग 2 लाख रुपए है। घटना 14 मई की तड़के सुबह करीब 2 बजे की है। कंपनी में तैनात सुरक्षा गार्ड ने संदिग्ध गतिविधि देखकर तुरंत प्रबंधक अनिल कुमार त्यागी को सूचित किया। त्यागी ने कंपनी के प्रबंध निदेशक एस.के. गुप्ता और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चोरों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की, लेकिन चोर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जांच में पता चला कि चोरों ने कंपनी की खिड़की की जाली काटकर अंदर प्रवेश किया। खिड़की के बाहर और कंपनी के अंदर कॉपर वायर के कटे हुए बंडल बिखरे मिले। चोरी गए कॉपर वायर की मात्रा 180 किलोग्राम आंकी गई, जिसका बाजार मूल्य करीब 2 लाख रुपए है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है। कंपनी प्रबंधन ने पुलिस से चोरों की जल्द गिरफ्तारी और चोरी गए माल की बरामदगी की मांग की है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश में छापेमारी कर रही है। स्थानीय उद्यमियों ने ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत जताई है।

भंवर जितेंद्र सिंह और टीकाराम जूली का सरकार पर हमला, विकास कार्यों में देरी पर जताई नाराज़गी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

खैरथल की निजी होटल में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह एवं राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान दोनों नेताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार और राजस्थान की भजनलाल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने खैरथल जिले के विकास कार्यों में हो रही देरी और जिला मुख्यालय को लेकर लोगों में फैल रहे भ्रम को दूर करने की मांग की। नेताओं ने कहा कि खैरथल को जिला मुख्यालय घोषित हुए दो वर्ष हो चुके हैं, राज्य सरकार बजट भी घोषित कर चुकी है तथा कार्यालयों के लिए भूमि का चयन भी हो गया है, लेकिन मिनी सचिवालय का निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने इसे जल्द शुरू करवाने की मांग की। इसके अलावा 50 करोड़ की लागत से प्रस्तावित खैरथल बाईपास आरओबी की स्वीकृति दिसंबर 2024 में रेलवे द्वारा दी जा चुकी है, लेकिन वित्त विभाग की अनुमति के अभाव में टेंडर जारी नहीं हो पा रहे हैं। नेताओं ने एमडीआर 25 किशनगढ़बास को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने और उसे चार लेन करने की मांग दोहराई। साथ ही दिल्ली-अलवर रेपिड रेल के अलवर तक विस्तार की मांग करते हुए केंद्र सरकार की उदासीनता पर नाराजगी जताई। इस दौरान अलवर जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा, किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खेरिया, मुंडावर विधायक ललित यादव, बहरोड से कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी संजय यादव, तिजारा से विधायक प्रत्याशी इमरान खान, प्रधान बीपी सुमन, नेता प्रतिपक्ष विक्की चौधरी उमेश बलराम यादव शिवचरण मास्टर शाहिद कांग्रेस के विभिन्न नेता एवं पार्षद एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खैरथल में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा शिविर शुरू

15 दिन तक महिलाएं और बालिकाएं सीखेंगी आत्मरक्षा, एएसपी ने किया उद्घाटन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

खैरथल में पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण, पुरानी अनाज मंडी में आयोजित यह शिविर 15 दिनों तक रोज सुबह 6.00 से 7.15 बजे तक चलेगा। शिविर का उद्घाटन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र सिंह निर्वाण ने किया। उद्घाटन समारोह में एएसपी निर्वाण ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं और बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बालिकाओं को सोशल मीडिया से दूरी बनाने, माता-पिता और गुरुजनों की सलाह मानने, और शिक्षा को प्राथमिकता देकर उच्च पदों पर पहुंचने का लक्ष्य रखने की सलाह दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी परेशानी में बालिकाएं उनसे संपर्क कर सकती हैं। शिविर में योग गुरु डॉ. हरिओम सैनी और कंचन सैनी आत्मरक्षा की तकनीकों का प्रशिक्षण दे रहे हैं, जिसमें व्यावहारिक और मानसिक पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक मुकेश कुमार ने बताया कि शिविर का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरपूर बनाना है। 15 दिन के इस शिविर के समापन पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रतिभागी बालिकाएं अपने आत्मरक्षा कौशल का प्रदर्शन करेंगी। यह पहल महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगी।

तिजारा की श्री मोनी बाबा गौशाला में कार्यकारिणी बैठक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

तिजारा में श्री मोनी बाबा गौशाला सूरजमुखी की कार्यकारिणी बैठक रविवार को संपन्न हुई। तेजपाल नागर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में गौशाला के विकास और गौवंश संरक्षण पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अप्रैल माह का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। गायों के लिए बेहतर चारा, आवास और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने का फैसला लिया गया। गौवंश संरक्षण के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर चर्चा हुई, जिसमें स्थानीय स्तर पर संसाधन जुटाने और समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया गया। इसके अलावा, पक्षी आश्रय स्थल के निर्माण की योजना को भी सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई, जिससे पर्यावरण संरक्षण और पक्षी संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में चौधरी नारायण सिंह, देशपाल यादव, सुरेश गुप्ता, सुभाष सैनी, यशपाल आचार्य, नरवंत यादव, गिर्राज गोयल, महीपाल दायमा, तुलसीराम, सत्य मुलचंद चौधरी, होराम नागर सहित कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे। सभी ने गौशाला के विकास और सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। यह बैठक गौशाला के प्रबंधन और सामुदायिक सहयोग से पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गौशाला समिति ने भविष्य में भी ऐसी पहलों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

शहीद कांस्टेबल भूपसिंह की मूर्ति का अनावरण, परिजनों का सम्मान और तिरंगा रैली निकाली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

कस्बे की सूरज कॉलोनी में रविवार को दिल्ली पुलिस में सेवा देते हुए शहीद हुए कांस्टेबल भूपसिंह की स्मृति में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और शहीद के परिजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह की शुरुआत अंबेडकर सर्किल से हुई, जहां सबसे पहले डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद डीजे के साथ तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई शहीद स्मारक स्थल तक पहुंची। वहां कांस्टेबल भूपसिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत ने शहीद के परिजनों को साफा पहनाकर और वीरांगना शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। जूली ने अपने संबोधन में कहा कि देश की सुरक्षा में लगे जवानों की बदौलत हम सब सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की समाप्ति तो तय है, लेकिन जब अंत हो, तो ऐसा हो कि पूरा देश गर्व से उस व्यक्ति के सम्मान में खड़ा हो जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेमनाथ महाराज ने की। कार्यक्रम में विधायक देवी सिंह शेखावत भी पहुंचे और उन्होंने शहीद भूपसिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद की पत्नी को सम्मानित करते हुए कहा कि परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

लखनऊ को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हैदराबाद के खिलाफ जीत की जरूरत

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अपने 'करो या मरो' मैच में जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश बड़े अंतर से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की होगी। एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत अब तक के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडकर बल्ले से भी लय हासिल करना चाहेंगे। पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह प्रतिष्ठा के लिए खेलेगी। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम के नाम 11 मैचों में 10 अंक है लेकिन नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा।

लय हासिल करने का मौका

सनराइजर्स के कुछ खिलाड़ियों के लिए लय हासिल करने का एक अच्छा मौका होगा खासकर नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भारत ए के इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ उपयोगी पारियां खेलना चाहेंगे।

फार्म में नहीं कप्तान पंत

लखनऊ की टीम के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के बाद वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से 128 रन ही बनाए है। यह इतना निराशाजनक है कि चीजों में यहां से सुधार की ही उम्मीद की जा सकती है।

राठी ने किया प्रभावित

रवि बिश्नोई बीच के ओवरों में विकेट चटकाने में नाकाम रहे हैं लेकिन दिग्वेश राठी ने अपने पहले सत्र में 12 लेकर प्रभावित किया है। चोटिल मयंक यादव की जगह न्यूजीलैंड के विलियम ओ राउरकी के टीम में आने से गेंदबाजी में पैनापन आयेगा। टीम हालांकि तेज गेंदबाजी में अनुभवी शारदुल ठाकुर, आवेश खान और आकाश दीप से बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

पूरन नहीं बना पा रहे रन

लखनऊ की टीम हालांकि अपने मुख्य बल्लेबाज निकोलस पूरन (410 रन) से भी एक बार फिर से अच्छा प्रदर्शन चाहेगी। वह शुरुआती पांच-छह मैचों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के बाद वह प्रभावित करने में नाकाम रहे। पूरन के अलावा टीम को अपने शीर्ष तीन क्रम में शामिल दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम (348 रन) और मिचेल मार्श (378) से अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। मध्यक्रम में आयुष बडोनी (326 रन) के अलावा कोई भी बल्लेबाज प्रभावी खेल नहीं दिखा पाया है।

खास खबर

मनिका, मानव विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंचे

दोहा। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने रविवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ विश्व चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश किया जबकि मानव ठक्कर ने भी अपने एकल अभियान की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की। बाईसवीं वरीयता प्राप्त मनिका ने महिला एकल मुकाबले में नाइजीरिया की फातिमा बेलो पर 4-0 (11-5, 11-6, 11-8, 11-2) से शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला सिर्फ 24 मिनट तक चला। अंतिम 64 दौर में उनके सामने कोरिया की पार्क गाहियोन की चुनौती होगा। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष एकल खिलाड़ी ठक्कर ने भी शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में न्यूजीलैंड के टिमोथी चोई को 4-1 (11-3, 11-8, 6-11, 11-7, 14-12) से हराया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	12	9	3	18
बेंगलुरु	12	8	3	17
पंजाब	12	8	3	17
मुंबई	12	7	5	14
दिल्ली	12	6	5	13
कोलकाता	13	5	6	12
लखनऊ	11	5	6	10
हैदराबाद	11	3	7	7
राजस्थान	13	3	10	6
चेन्नई	12	3	9	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
617 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
21 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

खेलो इंडिया : स्कूली खेल मार्शल आर्ट की शुरुआत

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को खेलो इंडिया पहल के दायरे को व्यापक बनाने की घोषणा की जिसमें इस साल से स्कूली खेल, मार्शल आर्ट, तटीय खेल और 'वाटर स्पोर्ट्स' शामिल होंगे। खेलो इंडिया का वार्षिक कैलेंडर लॉन्च करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार जल्द ही खेलो इंडिया खेलों और अन्य प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला शुरू करेगी जिसमें खेलो इंडिया 'नॉर्थ-ईस्ट गेम्स' भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना और प्रतिभाओं की पहचान के लिए साल भर के लिए रणनीतिक कार्यक्रम प्रदान करना है।

ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को बर्खास्त किया: रिपोर्ट

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी।'

दीक्षा नौवें पायदान पर 3 भारतीयों ने बनाई कट

हिल्वरसम। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर डच लेडीज ओपन के दूसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से नौवें पायदान पर है।

दीक्षा ने आखिरी छह होल में तीन बर्डी और एक बोगी लगाई जिससे उनका कुल स्कोर तीन अंडर का है। अन्य भारतीयों में हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर की नंबर एक खिलाड़ी हिताक्षी बक्शी ने 73 का कार्ड खेला।

आईपीएल : नेहाल-शशांक ने ठोका तूफानी अर्धशतक

पंजाब जीत से प्लेऑफ के करीब, 17 अंक से नंबर-2, बरार बने हीरो

एजेंसी ▶▶ जयपुर

पंजाब किंग्स की टीम नेहाल वढेरा और शशांक सिंह के आतिशी अर्धशतकों के बाद बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ के तीन विकेट की बदौलत रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में राजस्थान रॉयल्स को 10 रन से हराकर प्लेऑफ के करीब पहुंच गई। इस जीत से पंजाब किंग्स के 12 मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरह 17 अंक हो गए हैं। इससे वह 2014 के बाद पहली बार तालिका में शीर्ष दो स्थान की दौड़ में शामिल है। कोच रिकी पोंटिंग की टीम को प्लेऑफ स्थान सुनिश्चित करने के लिए महज एक और अंक की जरूरत है।

पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए वढेरा (70 रन) और शशांक (नाबाद 59 रन) के आतिशी अर्धशतकों की बदौलत पांच विकेट पर 219 रन बनाए। वढेरा ने महज 37 गेंद की पारी में पांच चौके और पांच छक्के जड़े। यह उनका आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है। उनके अलावा शशांक सिंह ने 30 गेंद की नाबाद पारी के दौरान पांच चौके और तीन छक्के जमाए। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की जगह उतरे बराड़ ने गजब की गेंदबाजी की और 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे राजस्थान रॉयल्स की टीम सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी।

पावरप्ले का तूफान बेकार

राजस्थान की अपने घरेलू दर्शकों के सामने आखिरी मैच में जीत की उम्मीद पूरी नहीं हो सकी जबकि उसने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (50 रन) और ध्रुव जुरेल (53 रन) के अर्धशतक के बावजूद राजस्थान की टीम सात विकेट पर विकेट पर 209 रन ही बना सकी जबकि पावरप्ले में टीम इस आईपीएल में 89 रन बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। दोनों सलामी बल्लेबाजों जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी (40 रन) ने पहले विकेट के लिए 29 गेंद में 76 रन की भागीदारी निभाकर अच्छी शुरुआत की।

हेड को हुआ कोरोना आज करेंगे वापसी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए बुरी खबर आई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हेड कोच डेनियल विटोरी ने बताया कि ट्रेविस हेड को कोरोना हो गया है। इसके चलते उनकी भारत वापसी में देरी हुई है। हालांकि, यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को संक्रमण कब और कहां हुआ।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
आर्य का हेटमायर बो देशपांडे	09	07	1	0
प्रभसिमरन का सैमसन बो देशपांडे	21	10	3	1
ओवेन का सैमसन बो मफाका	00	02	0	0
वढेरा का हेटमायर बो मधवा	70	37	5	5
अय्यर का जायसवाल बो पराग	30	25	5	0
शशांक सिंह नाबाद	59	30	5	3
अजमतुल्लाह उमरजई नाबाद	21	09	3	1

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 219/5
गेंदबाजी : फारुकी 3-0-39-0, देशपांडे 4-0-37-2, मफाका 3-0-32-1, पराग 3-0-26-1, हसारंगा 3-0-33-0, मधवाल 4-0-48-1

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का ओवेन बो बराड़	50	25	9	1
सूर्यवंशी का बार्टलेट बो बराड़	40	15	4	4
सैमसन का यानसेन बो उमरजई	20	16	1	1
रियान पराग बो बराड़	13	11	0	1
ध्रुव जुरेल का ओवेन बो यानसेन	53	31	3	4
हेटमायर का बार्टलेट बो उमरजई	11	12	1	0
शुभम दुबे नाबाद	07	07	0	0
हसारंगा का प्रभसिमरन बो यानसेन	00	01	0	0
क्वेना मफाका नाबाद	08	02	2	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 209/7
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-60-0, यानसेन 3-0-41-2, बार्टलेट 1-0-12-0, बराड़ 4-0-22-3, चहल 4-0-30-0, उमरजई 4-0-44-2

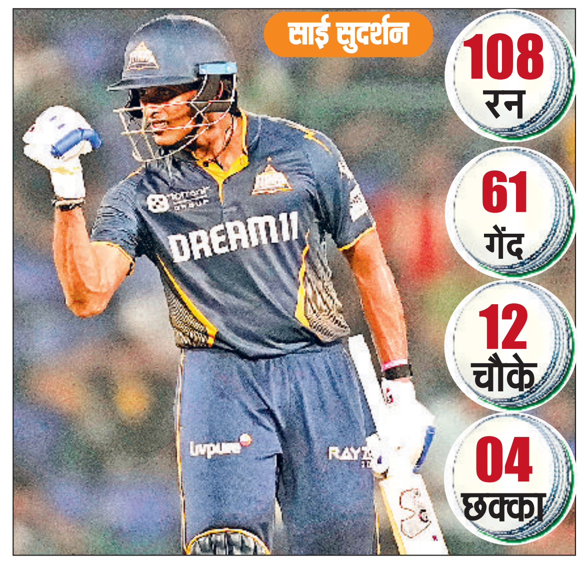

दिल्ली को 10 विकेट से रौंदकर टाइटंस शान से प्ले ऑफ में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के शतक और कप्तान शुभमन गिल के साथ उनकी अटूट दोहरी शतकीय साझेदारी से गुजरात टाइटंस ने लोकेश राहुल के शतक पर पानी फेरते हुए रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से रौंदकर अंक तालिका के शीर्ष पर जगह बनाई और इंडियन प्रीमियर लीग प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया। लगातार तीन जीत के साथ टाइटंस के 12 मैच में 18 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स भी समान 12 मैच में 17-17 अंक के साथ प्ले ऑफ में पहुंची। दिल्ली की टीम 12 मैच में 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है और उसकी प्ले ऑफ में जगह बनाने की राह मुश्किल होती जा रही है। दिल्ली ने पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज की है। अब अंतिम प्ले ऑफ स्थान के लिए दिल्ली और चौथे स्थान पर चल रहे मुंबई इंडियन्स (14 अंक) के बीच मुकाबला है। राहुल ने 65 गेंद में चार छक्कों और 14 चौकों से नाबाद 112 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक पोरेल (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 90 और कप्तान अक्षर पटेल (25) के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की जिससे दिल्ली ने तीन विकेट पर 199 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

हरभजन का बड़ा दावा

असली फैन तो धोनी के, बाकी सोशल मीडिया वाले तो फर्जी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महेंद्र सिंह धोनी सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं हैं। पूर्व भारतीय कप्तान करोड़ों लोगों के लिए एक भावना बन चुके हैं। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी के फैंस को लेकर बड़ी बात कही है। भज्जी के अनुसार सिर्फ धोनी के फैंस ही असली हैं। धोनी ने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। तब से वह सिर्फ आईपीएल में ही खेलते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस उन्हें प्यार से थाला कहते हैं और उनका जबरदस्त क्रेज है। जब भी धोनी बल्लेबाजी करने मैदान में उतरते हैं, तो स्टेडियम तालियों और शोर से गूंज उठता है। पीली जर्सी से भरे स्टैंड्स का नजारा किसी त्योहार से कम नहीं होता।

फैंस बस एक झलक पाने के लिए पागल हो जाते हैं और शोर का स्तर आसमान छूने लगता है। चाहे चेन्नई में हो या किसी और शहर में, जब सीएसके का मैच होता है और धोनी मैदान पर होते हैं, तो स्टेडियम खचाखच भर जाता है। घरेलू टीम से ज्यादा फैंस चेन्नई सुपर किंग्स के आते हैं। ये सब कुछ महेंद्र सिंह धोनी की वजह से ही होता है।

सिर्फ धोनी के फैंस ही सच्चे

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी के फैंस को लेकर बड़ी बात कही है। भज्जी के अनुसार सिर्फ धोनी के फैंस ही असली हैं। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा- अगर किसी खिलाड़ी के असली फैन हैं, तो वो धोनी के हैं। बाकी तो आजकल सोशल मीडिया पर आधे फैन तो पैसे देकर बनाए जाते हैं। कितना बचा हुआ है और जब तक दम है खेलो भाई। अगर मेरी टीम होती तो मैं कुछ और फैसला लेता। लेकिन बात साफ है कि फैन तो चाहेंगे कि वो खेले, क्योंकि उनके फैन सच्चे हैं। सीएसके के फैन जो हैं, वो असली हैं। बाकी जो सोशल मीडिया पर दिखाई देते हैं, उनके नंबरों को छोड़िए, उन पर कभी बैठकर बात करेंगे। इस बार देखा जाए तो धोनी ने ठीक-ठाक खेला है। हरभजन सिंह की बातें सुनकर उनके साथ बैठे आकाश चोपड़ा भी सहमत थे। उन्होंने कहा- इतना भी सच नहीं बोलना था।

बाबर और रिजवान की टी20 टीम में हो वापसी

कराची। पाकिस्तान के सीमित ओवरों के नए कोच माइक हेसन चयनकर्ताओं द्वारा टी20 प्रारूप के लिए नजरअंदाज किये गये अनुभवी बल्लेबाजों बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के करियर को खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में एक बार फिर से परखना चाहते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि हेसन ने इस सप्ताह चयनकर्ताओं से बातचीत में बाबर और रिजवान की टी20 टीम में वापसी की वकालत की है। इन दोनों पूर्व कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों को अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए बाहर कर दिया गया था। न्यूजीलैंड दौरे से पहले रिजवान को राष्ट्रीय टी-20 कप्तान के पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह सलमान अली आगा को कप्तान बनाया गया था। न्यूजीलैंड में पाकिस्तान की टीम 1-4 से हार गई थी। उससे पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में भी उसे हार सामना करना पड़ा था।

भारत में खेलने के लिए वीजा गारंटी चाहता है पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶ कराची

पाकिस्तान हॉकी महासंघ चाहता है कि एशियाई हॉकी महासंघ भारत में 27 अगस्त से सात सितंबर तक होने वाले एशिया कप में भाग लेने के लिए उसके दल के लिए वीजा की गारंटी दे। यह जानकारी पीएचएफ के एक अधिकारी ने दी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव के कारण राजगीर (बिहार) में होने वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी गंभीर संदेह में है और हॉकी इंडिया ने कहा है कि वह इस मामले पर सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी लेकिन हम इस मुद्दे पर सरकार के निर्देशों का पालन करेंगे, जैसा कि पहले भी होता रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए बर्बर हमले और उसके बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद हम अभी कुछ भी भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं।'

पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एशिया कप पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है।

भांबरी और गैलोवे बोर्डो चैलेंजर में बने उपविजेता

नई दिल्ली। भारत के युकी भांबरी और अमेरिका के उनके जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे रविवार को यहां बोर्डो में एटीपी चैलेंजर स्पर्धा के रोमांचक खि ता बी मुकाबले की चुनौती से निपटने में नाकाम रहे। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय और अमेरिकी खिलाड़ियों की जोड़ी पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कैब्राल और ऑस्ट्रिया के लुकास मिडलर की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 6-7(1), 6-7(2) से हार गई। भारत के एन श्रीराम बालाजी और सुमित नागल इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट का हिस्सा थे लेकिन वे अपने-अपने मुकाबलों में अलग-अलग चरणों में हार गए।

भारत के पूर्व कोच शास्त्री का फैसला साबित हुआ 'मास्टर स्ट्रोक'

रोहित के मध्यक्रम में ऊबने पर बनाया सलामी बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते समय ऊब जाते थे इसलिए उन्होंने 2019 में 'हिटमैन' को सलामी बल्लेबाज बनाने का फैसला किया। शास्त्री का यह फैसला 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हुआ और इसने पारंपरिक प्रारूप में रोहित के करियर को नया मोड़ दिया। शास्त्री 2017 में भारत के मुख्य कोच बने और 2021 में उन्होंने राहुल द्रविड़ को कमान सौंप दी। उनके चार साल के कार्यकाल के दौरान रोहित भारत के सबसे आक्रामक टेस्ट सलामी बल्लेबाज में से एक बन कर उभरे।

2019 विश्व कप में किया पारी का आगाज

रोहित ने हाल ही में खेल के इस पारंपरिक प्रारूप को अलविदा कह दिया। उन्होंने अपने शानदार करियर में 67 मैचों में 12 शतक और 18 अर्धशतक की मदद से 4,301 रन बनाए। शास्त्री ने कहा कि उन्होंने 2019 विश्व कप के दौरान ही रोहित का इस्तेमाल टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में करने का फैसला कर लिया था। वह इस विश्व कप में पांच शतक और 81 की औसत से 648 रन बनाकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि उन्होंने तत्कालीन कप्तान विराट कोहली के साथ रोहित को सलामी बल्लेबाज के तौर पर आगे बढ़ाने के विचार पर चर्चा की थी। रोहित को तुरंत सफलता मिली, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शीर्ष क्रम में अपने पहले टेस्ट में दो शतक जड़े।

पहली बार पारी का आगाज करते बनाया शतक

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'चार, पांच नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह लड़का ऊब जाता था। मैंने फिर इस पर विचार करना शुरू किया कि वह वनडे क्रिकेट में इतना सफल क्यों है? वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर जल्दी जाना पसंद करता है। मैंने सोचा कि अगर उसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाए तो उसके पास तेज गेंदबाजों को खेलने, शॉट लगाने के लिए पर्याप्त समय होगा। मैं अगर गलत नहीं हूं तो यह फैसला अगस्त 2019 में लिया गया था। उस विश्व कप के बाद। विश्व कप में उसने शानदार बल्लेबाजी की थी। इसलिए उनका फॉर्म बहुत अच्छा था। उसने इसके बारे में कुछ समय तक विचार किया होगा। वह इससे असहज नहीं था। उसने पारी का आगाज करते हुए अपने पहले टेस्ट मैच में शतक जड़ा था। मैं अगर गलत नहीं हूं, तो उन्होंने पहली पारी में 100 रन बनाए और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा क्योंकि वह इसका लुत्फ उठाने लगा था।'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 19 मई को रहेंगे अलवर के दौरे पर

महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण एवं श्वेत क्रांति 2.0 व अलवर संघ दुग्ध दिवस कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 19 मई को अलवर के दौरे पर रहकर विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। कार्यक्रमानुसार मुख्यमंत्री शर्मा 19 मई का दोपहर 12:30 बजे केंद्रीय विद्यालय नं. 1 अलवर के हेलीपेड पर पहुंचेंगे। तत्पश्चात मुख्यमंत्री शर्मा दोपहर 12:40 बजे मोती डूंगरी स्थित वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे एवं दोपहर 12:50 बजे सरस डेयरी परिसर में आयोजित श्वेत क्रांति 2.0 व अलवर संघ दुग्ध दिवस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उक्त कार्यक्रमों में केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन, देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत, पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा एवं नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा शिरकत करेंगे।

दहेज के लालच में टूटी शादीः लड़की के पिता ने दर्ज कराई शिकायत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

चौपानकी क्षेत्र में दहेज की मांग के चलते एक तय शादी टूटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दूल्हा मुफीद ने दहेज कम होने का हवाला देकर बारात नहीं लाई और कथित तौर पर किसी अन्य स्थान पर शादी कर ली। लड़की के पिता इलियास ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इलियास ने बताया कि उनकी बेटी खुशनुमा की शादी मुफीद से 16 मई को तय थी। रिश्ता खरखड़ी निवासी समसू और उनकी पत्नी जबुनी ने कराया था। शादी की तैयारियों में इलियास ने 2.3 लाख खर्च किए, जिसमें दहेज के रूप में 51,000 नकद, 30,000 के 15 सूट, 25,000 के मर्दाना कपड़े, 18,000 का फर्नीचर, और 22,000 में फ्रिज व वॉशिंग मशीन शामिल थे। बारात के स्वागत, खानपान और अन्य तैयारियों पर भी भारी रकम खर्च हुई। 15 मई को इलियास को पता चला कि मुफीद और बिचौलियों ने दहेज कम होने का बहाना बनाकर बारात न लाने की साजिश रची। 16 मई को मुफीद की बारात किसी और स्थान पर जाते देखी गई। इलियास ने आरोप लगाया कि इस धोखाधड़ी से उनकी बेटी की जिंदगी बर्बाद हो गई और परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरा आघात पहुंचा। शादी की सारी तैयारियां बेकार चली गईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना दहेज प्रथा की सामाजिक बुराई को फिर से उजागर करती है, जो आर्थिक, भावनात्मक और सामाजिक नुकसान का कारण बनती है। समाज में जागरूकता और कठोर कानूनी कदमों की जरूरत पर बल दिया जा रहा है।

साइकिल मैराथन में दिखा प्रतिभागियों का जोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मेजर जनरल दिगेंद्र प्रताप सिंह ने जीएसटी दिवस 2025 के पूर्ववर्ती कार्यकर्मों की श्रंखला में फिट इंडिया कैंपेन के अंतर्गत सीजीएसटी अलवर की तरफ से आयोजित साइकिल मैराथन की शुरूआत झंडी लहराकर सीजीएसटी अलवर आयुक्त सुमित कुमार यादव के साथ की। इस अवसर पर विभाग के अनेक सदस्यो के साथ भिवाड़ी, अलवर, बहरोड़ , नीमराना के ट्रेड, करदाता, स्पोर्ट्स अथोरिटी आफ इंडिया, भारतीय डाक सेवा, सेना, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, चिकित्सा विभाग, पुलिस, प्रशासन के साथ अलवर के अन्य लोग साईकिल चालको का मनोबल बढ़ने के लिए उपस्थित रहे। पाँच किलोमीटर की साइकिल मैराथन में 100 से भी अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। सीजीएसटी कार्यक्रम के प्रतिभागियों जैसे बच्चों, महिलाओं, कर्मचारियों और ट्रेड इत्यादि को टी शर्ट और मैडल से सम्मानित किया। यह मैराथन देश और प्रदेश के अनेक शहरों में जीएसटी के आठ वर्ष पूरे होने से पहले कार्यक्रमों की सीरीज का एक हिस्सा है। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत, श्रेष्ठ भारत, फिटनेस, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय एकता के संकल्प के साथ देश में जीएसटी के कार्यान्वयन के महत्व को बढ़ाने की दृष्टि से एक नवाचार भी है। अलवर में इस प्रकार का यह पहला कार्यक्रम रहा। भारतीय सेना की गरिमा पूर्ण उपस्थिति ने देश व्यापी कार्यक्रम की शोभा और जोश बढ़ाया। गर्मी के बावजूद प्रतिस्पर्धियों का उत्साह देखते ही बना।

फुलेरा में लीकेज से हजारों लीटर पेयजल की बर्बादी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा फुलेरा

स्थानीय नगर पालिका के कई वार्डों में अनेक जगहों पर जलदाय विभाग की पेयजल लाईन में छोटे व बड़ी साइज के लीकेज होने के कारण सप्लाई के दौरान हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। वहीं जलदाय विभाग इसके बावजूद इन तमाम लीकेजों को बन्द करने में अभी भी सफल सिद्ध नहीं हो रहा है। हालांकि सूचना मिलते ही प्रशासन लीकेजों को दुरुस्त तो कर देते हैं, लेकिन पाईप लाईन पुरानी होने की वजह से कहीं ना कहीं से डैमेज होती रहती है। इस कारण लीकेज होते रहते है और पेयजल व्यर्थ ही बहता रहता है। पानी की यह बर्बादी कोढ में खाज का काम कर रही है। जिसकी वजह से क्षेत्र की जनता को दो-तीन दिनों के अंतराल से मिलने वाला पानी कई बार 4 से 5 दिनों के अन्तराल में मिलता है। वह भी इन लीकेजों की वजह से लोगों को घरों तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता है। इसके चलते लोग महंगे भावों में पानी के टैंकर डलवाने को मजबूर हो रहे है। गौरतलब है कि क्षेत्र के बाजार की मुख्य सड़क पर यूको बैंक के निकट ही पिछले कई दिनों से सड़क के बीचों-बीच बड़ा लीकेज हो रहा है। इसके चलते काफी मात्रा में पेयजल व्यर्थ ही बह रहा है। इस ओर प्रशासन का तनिक भी ध्यान नही था रहा है। उक्त समस्या को लेकर स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि इस ओर प्रशासन जरा भी ध्यान नही दे रहा है। जबकि विभाग के कर्मचारी दिन में कई बार इसी रास्ते से होकर निकलते जाते है। वहीं व्यापारियों ने आगे बताया कि जलदाय विभाग के कार्यालय पर शिकायत करने जाते है तो कार्यालय पर कनिष्ठ अभियंता नहीं होने की वजह से निराश होकर वापस आना पड़ता है। इसके लिए लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

रामपुरा डाबड़ी में 19 मई को होगा किसान आक्रोश प्रदर्शन

झूठे मुकदमे के खिलाफ भारतीय किसान संघ उतरेगा सड़कों पर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

भारतीय किसान संघ ने अपने पदाधिकारियों पर झूठा मुकदमा दर्ज करने के विरोध में सोमवार 19 मई को सुबह 10 बजे रामपुरा डाबड़ी उपखंड कार्यालय के बाहर किसान आक्रोश प्रदर्शन करने की घोषणा की है। यह प्रदर्शन संगठन के प्रांत महामंत्री डॉ. सांवर मल सोलेट सहित 10 अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज कथित झूठे मामले को लेकर किया जाएगा। संघ के प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ. लोकेश कुमार चंदेल ने जानकारी दी कि रामपुरा डाबड़ी के उपतहसीलदार ने राजकार्य में बाधा डालने जैसे कई झूठे आरोप लगाकर थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जो कि पूरी तरह से तथ्यहीन है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम किसानों की आवाज़ दबाने के इरादे से उठाया गया है।प्रांत अध्यक्ष कालूराम बांगड़ा ने कहा कि किसान संघ के पदाधिकारी तहसीलों में जाकर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते हैं

राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलते ट्रेलर में लगी आग, मची अफरा-तफरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को ग्राम कंवरपुरा स्टैंड के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक चलते ट्रेलर में अचानक आग लग गई। ट्रेलर संख्या आरजे 32 जीडी 2040 पावटा से कोटपूतली की ओर जा रहा था, तभी इसमें अचानक आग भड़क उठी। ट्रेलर चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर में अचानक धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके कुछ ही पलों बाद आग की लपटें तेज हो गईं। जैसे ही ट्रेलर चालक को खतरे का आभास हुआ, वह फौरन वाहन से कूद गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरा ट्रेलर जलकर खाक हो गया। आग लगते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि स्थानीय प्रयास सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक ट्रेलर पूरी तरह से जल चुका था। ट्रेलर में क्या सामान भरा हुआ था, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आगजनी की इस घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रास्ते को खाली कराया और वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से गुजारा गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि ट्रेलर में तकनीकी खराबी या वायरिंग में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी होगी। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर हाईवे पर चल रहे भारी वाहनों की सुरक्षा और रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर चालक समय पर नहीं कूदता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पक्षियों के लिये बांधे परिंडे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

गर्मी की तीव्रता और लू के चलते पक्षियों के जीवन को राहत देने के उद्देश्य से रविवार को कस्बे के पूतली कट के पास स्थित सैन मंदिर परिसर में परिंडे लगाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व नारायणी सेना अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन ने किया। कार्यक्रम में श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान समिति के पदाधिकारियों ने भाग लिया और पक्षियों के लिये पानी व दाना उपलब्ध कराने के लिये मंदिर परिसर में कुल 11 परिंडे बांधे। समिति का मानना है कि तपती गर्मी में जहां मनुष्यों को शीतल जल की आवश्यकता होती है, वहीं बेजुबान पक्षी भी प्यास से तड़पते हैं। इस पहल के माध्यम से न केवल पक्षियों की प्यास बुझाने का प्रयास किया गया, बल्कि समाज में पर्यावरण व जीवदया के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। अखिल भारतीय सैन मंदिर हरसौरा धाम के प्रधान संजय सैन ने इस मौके पर कहा कि "हमें सामूहिक रूप से बेजुबान पक्षियों के दर्द को समझते हुए उनके लिये जल और दाना उपलब्ध कराने के प्रयास करने चाहिये। गर्मी में जल की एक बूंद उनके जीवन के लिये संजीवनी बन सकती है।" उन्होंने लोगों से अपने घरों, छतों और सार्वजनिक स्थलों पर परिंडे लगाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान बारबर यूनियन के प्रधान राधेश्याम सैन (फतेहपुरा), भामाशाह बैद्य श्यामलाल सैन (पूतली), समिति के कोषाध्यक्ष संजय सैन (खेडकी), भम्भुराम सैन, हरसौरा सचिव राधेश्याम सैन, मानसिंह सैन, मंदिर के पुजारी पं. जगदीश शर्मा समेत कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर परिंडे बांधे और उनमें दाना-पानी की व्यवस्था की। समिति का यह कदम न केवल एक सामाजिक संदेश है, बल्कि आने वाले दिनों में अन्य संस्थाओं और नागरिकों को भी प्रेरणा देने वाला है। ऐसे अभियान न केवल जीवदया की भावना को जागृत करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी सहायक होते हैं।

सरिस्का में मंदिर निर्माण रोकने पर ग्रामीणों और वनकर्मियों में टकराव, विधायक ने कराया संवाद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

सरिस्का वन क्षेत्र की ग्राम पंचायत रामपुर के गांव गुढा भांकर वाला में मंदिर निर्माण के दौरान हुए विवाद के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। बीते दिनों मंदिर की छत डालने को लेकर ग्रामीणों और वन विभाग के कर्मचारियों के बीच कहासुनी बढ़कर मारपीट और पथराव तक पहुंच गई थी। इसके बाद से गांव में भय और सन्नाटा छाया हुआ है। रविवार को बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत गांव पहुंचे और वन विभाग के नाके पर ग्रामीणों के साथ बैठक कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह विवाद दोनों पक्षों की गलतियों के चलते हुआ है और अब समय है कि सभी मिल-बैठकर इसका समाधान निकाला जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। विधायक ने ग्रामीणों, वन विभाग और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक सुलह समिति के गठन का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही यह समिति गठित की जाएगी और मामले को शांतिपूर्वक सुलझाया जाएगा। घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा है। पथराव में वन विभाग के कुछ कर्मचारी घायल हो गए थे। इस मामले में तालवृक्ष रेंज अधिकारी द्वारा करीब 150 ग्रामीणों पर राजकार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है और लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तारी के डर से कई ग्रामीण गांव छोड़कर चले गए हैं। इससे गांव में वीरानी और डर का माहौल बन गया है। इस कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में रोष है और उन्होंने वन विभाग व पुलिस के प्रति असंतोष जताया है। इस बैठक में डीएसपी दशरथ सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शशिकांत बोहरा, एडवोकेट प्रभु दयाल चौधरी, संकेत लाटा, नवीन यादव, पूर्व सरपंच महेश कुमार सैनी और करण सिंह ओला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। इस प्रकरण में पूर्व उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने भी वन विभाग और पुलिस की कार्रवाई की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीणों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। इस बीच ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व मंत्री डॉ. रोहिताश्व शर्मा से भी मिला। उन्होंने भी अधिकारियों के रवैये पर असंतोष जाहिर करते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

बहरोड़ में अपराध और अव्यवस्था को लेकर बलजीत यादव ने साधा निशाना

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बहरोड़ क्षेत्र में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को लेकर पूर्व विधायक बलजीत यादव ने रविवार को स्थानीय पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बहरोड़ में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है और अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि आमजन खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। बलजीत यादव ने कहा कि क्षेत्र में चोरी, लूट, मारपीट और हत्या जैसी घटनाएं रोजमर्रा का हिस्सा बन चुकी हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि उन्होंने पुलिस पर अपराधियों को पकड़ने के बजाय स्वयं 'लूट खसोट' में लिप्त रहने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस अब अपराध नियंत्रण की बजाय अपने फायदे में लगी हुई है, जिससे अपराधियों को खुली छूट मिल गई है। पूर्व विधायक ने एक ताजा घटना का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान विधायक के करीबी के शोरूम पर हाल ही में हमला हुआ, जिसमें मारपीट और तोड़फोड़ की गई, लेकिन इसके बावजूद एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब विधायक के नजदीकी लोग ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जाए? बलजीत यादव ने विधायक के बेटे द्वारा विकास कार्यों के उद्घाटन करने और जनता के बीच झूठी घोषणाएं करने पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि विधायक का बेटा किसी भी सरकारी कार्य का उद्घाटन करने का अधिकारी नहीं है, फिर भी वह मंच सजाकर उद्घाटन कर रहा है और लोगों को गुमराह कर रहा है। तसींग और उन्टोली गांवों में बोरिंग की घोषणा को भी उन्होंने छलावा बताया और कहा कि आज तक वहां काम शुरू नहीं हुआ, जिससे ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में निजी खर्चे से टैंकर मंगवाकर पानी मंगाना पड़ रहा है।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विचार मंच की बैठक आयोजित, कोटपूतली ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विचार मंच (समिति) की कोटपूतली ब्लॉक इकाई की बैठक रविवार को ग्राम रामसिंहपुरा स्थित अम्बेडकर छात्रावास में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पूरण सिंह ने की। इस अवसर पर विचार मंच की नई ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारिणी में संरक्षक मंडल का गठन करते हुए आर. एस. झांझरिया को मुख्य संरक्षक बनाया गया। उनके साथ संरक्षक के रूप में मीना कुमारी, रत्तिराम जीलोवा, डॉ. डी. आर. रैवाला तथा बुधराम को शामिल किया गया। अध्यक्ष पद पर 11 मई को सम्पन्न हुए चुनावों के अनुसार जगदीश मेघवाल को मनोनीत किया गया। अन्य पदाधिकारियों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बदलूराम, उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, सचिव दुलीचंद आर्य, संगठन सचिव राजेन्द्र तौंदवाल, कोषाध्यक्ष बंशीधर लूनीवाल, सह कोषाध्यक्ष राजेश बायला, छात्रावास अधीक्षक चिरंजीलाल आर्य तथा सह अधीक्षक के रूप में पार्षद उमेश आर्य को नियुक्त किया गया। सांस्कृतिक सचिव का दायित्व सुभाष चन्द आर्य को सौंपा गया, जबकि वरिष्ठ जनसम्पर्क सचिव हरिपाल वर्मा और जनसम्पर्क सचिव मदनलाल वर्मा को नियुक्त किया गया। साथ ही सदस्य पद पर रामनिवास खारडिया को शामिल किया गया। परामर्श मंडल में एडवोकेट सुबेसिंह मोरोडिया, एडवोकेट सतीश हाडिया, भगवान सहाय धानका, श्रीराम बाबूजी, ख्यालीराम बुनकर, नेमीचंद सिरोहिवाल तथा ओमप्रकाश वर्मा को जिम्मेदारी दी गई। इस बैठक में सिद्धार्थ आर्य, रोहितास तरियाला, छोटूराम सामरिया, डॉ. सुगन चंद, मुकेश कुमार धानका, सुनील कुमार जीलोवा, पूर्व नायब तहसीलदार मदनलाल वर्मा, ओमप्रकाश बुनकर, किशोरी लाल सोंठवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। बैठक में सामाजिक समरसता, संगठन विस्तार और युवाओं में संविधान व अम्बेडकर विचारों के प्रचार-प्रसार को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

सिलीसेढ़ झील का पानी अलवर नहीं जाने देंगेः ग्रामीणों ने बैठक कर जताया विरोध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मालाखेड़ा

अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की एकमात्र सिलीसेढ़ झील को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। झील का पानी अलवर ले जाने की राज्य सरकार की योजना के खिलाफ रविवार देर रात सिलीसेढ़ तिराहे पर ग्रामीणों ने बैठक कर एकजुटता दिखाई और स्पष्ट कहा कि वे झील का पानी किसी भी हालत में अलवर नहीं जाने देंगे। ग्राम पंचायत उमरैण के सरपंच भवेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में ढहलावास के सरपंच प्रतिनिधि रामसिंह गुर्जर, स्वराज गुर्जर, राजेश गुर्जर, धामीराम गुर्जर, छुट्टनलाल, पंचायत समिति के निहालसिंह गुर्जर, देवीसिंह, रामजीलाल बैंसला, राजेशकुमार गुर्जर, प्रेमसिंह सहित अनेक ग्रामीण और किसान शामिल हुए। सभी ने सरकार की योजना का विरोध करते हुए कहा कि यह झील सिर्फ पानी का स्रोत नहीं, बल्कि हजारों किसानों की जीवनरेखा है। बैठक में वक्ताओं ने बताया कि सिलीसेढ़ झील पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है, जहां बरसात का पानी इकट्ठा होता है और वर्षों से यह झील सिंचाई और पेयजल का प्रमुख स्रोत रही है। इसके अलावा यह एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल भी है, जिससे सरकार को आय होती है। यहां पुराना महल और अन्य ऐतिहासिक स्थल हैं, जिन्हें देखने हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। ग्रामीणों ने यह भी स्पष्ट किया कि झील क्षेत्र में किसी प्रकार की बोरिंग की अनुमति भी नहीं दी जाएगी। यह निर्णय समूचे क्षेत्र के लोगों ने सर्वसम्मति से लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि झील का पानी अलवर भेजे जाने से यह जलस्रोत पूरी तरह से खत्म हो जाएगा और क्षेत्र की खेती चौपट हो जाएगी। निहालसिंह गुर्जर ने कहा कि यह झील पूर्वजों की देन है, जिसे राजा-महाराजाओं ने किसानों के हित में बनवाया था। इससे खेतों की सिंचाई होती है और क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था टिकी हुई है। यदि पानी अलवर चला गया तो झील सूख जाएगी और किसान तबाह हो जाएंगे। गौरतलब है कि सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव और राज्य के वन मंत्री संजय शर्मा सिलीसेढ़ झील से अलवर तक पाइपलाइन बिछाने की योजना का शिलान्यास करने वाले हैं। लेकिन इससे पहले ही क्षेत्रीय किसानों और जनप्रतिनिधियों ने विरोध का झंडा बुलंद कर दिया है, जिससे सरकार की योजना पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह झील पूरे क्षेत्र की धरोहर है और इसे किसी भी कीमत पर अलवर की ओर नहीं मोड़ा जाएगा। यदि सरकार ने योजना वापस नहीं ली तो आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

कहासुनी के बाद देसी कट्टे से फायर, युवक की जांघ में लगी गोली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कठूमर

बहतूकला थाना क्षेत्र के धौलागढ़ में शनिवार रात फास्ट फूड की दुकान पर दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मामला इस कदर बिगड़ गया कि एक युवक ने देसी कट्टे से फायर कर दिया। गोली एक युवक की जांघ में जा लगी और आरपार निकल गई। घायल युवक को तत्काल मंडावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना उस समय हुई जब भनोखर निवासी धर्मसिंह मीणा अपने मित्रों पप्पू और गाजी के साथ धौलागढ़ में पंडतजी फास्ट फूड पर खाना खा रहा था। इसी दौरान कासगंज निवासी जोगिंदर, पहलवान और थानसिंह वहां पहुंचे और तीनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। थोड़ी ही देर में यह बहस मारपीट में बदल गई। किसी तरह बीच-बचाव कर धर्मसिंह और उसके साथी वहां से निकल गए और अपने घर चले गए। लेकिन मामला यहीं नहीं रुका। धर्मसिंह के अनुसार, बाद में आरोपियों ने अलग-अलग नंबरों से कॉल कर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उसी रात करीब साढ़े नौ बजे धर्मसिंह, ज्ञानसिंह, पप्पू और पिंटू के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए भनोखर रोड पर खड़ा था, तभी आठ से नौ लोगों ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। जोगिंदर, पंछी, थानसिंह सहित अन्य आरोपियों ने देसी कट्टे से फायरिंग कर दी, जिसमें एक गोली धर्मसिंह की जांघ में लगी और आरपार हो गई। गोली लगते ही हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बहतूकला थानाधिकारी संजय शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल धर्मसिंह को मंडावर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। रविवार को पुलिस ने उसे जटवाड़ा सीएचसी में मेडिकल परीक्षण के लिए भी भिजवाया। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और धर्मसिंह की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले, धमकी और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

अलवर से मांजी की छतरी वाया टहला रोडवेज बस सेवा बंद, ग्रामीणों में रोष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर से मांजी की छतरी होते हुए जयपुर के लिए शुरू की गई राजस्थान रोडवेज की बस सेवा को महज एक महीने बाद बंद कर दिए जाने से ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। टहला क्षेत्र सहित आसपास के गांवों के लोगों ने इस निर्णय को आमजन की सुविधाओं के खिलाफ बताया है और बस सेवा को तुरंत बहाल करने की मांग उठाई है। टहला पंचायत समिति सदस्य राकेश खंडेलवाल सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में अलवर डिपो द्वारा मांजी की छतरी वाया टहला होते हुए जयपुर के लिए बस सेवा शुरू की गई थी। इस बस में पर्याप्त संख्या में यात्री सफर कर रहे थे और इसका सीधा लाभ महिलाओं, विद्यार्थियों और बुजुर्गों को मिल रहा था। लेकिन अचानक शनिवार से इस सेवा को बंद कर दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों में निराशा और नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि यह बस सेवा उनके लिए बेहद जरूरी थी क्योंकि टहला और आसपास के इलाकों में परिवहन के साधन सीमित हैं। खासकर बुजुर्गों और महिलाओं के लिए यह बस एक भरोसेमंद विकल्प थी। अब सेवा बंद होने से उन्हें काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि रोडवेज प्रबंधन ने बिना पूर्व सूचना के बस सेवा बंद कर दी, जो आम जनता के हितों की अनदेखी है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य आम नागरिकों को सुविधाएं देना होता है, लेकिन यह निर्णय उस मंशा के विपरीत है। जब इस संबंध में अलवर डिपो की मुख्य प्रबंधक सपना मीना से बातचीत की गई, तो उन्होंने बस सेवा के बंद होने का कारण कम आय को बताया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त राजस्व नहीं मिलने के चलते यह निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र ही बस सेवा पुनः शुरू नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे। टहला क्षेत्र के नागरिकों ने एक स्वर में यह मांग रखी है कि सरकार और रोडवेज प्रबंधन जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस रूट पर बस सेवा को फिर से चालू करे।

तीन बच्चों, पत्नी का मर्डर कर शव तालाब में फेंका, विवाहिता का भाई बोला- शराब पीकर बहन-भांजे-भांजियों के साथ मारपीट करता था

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चूरू

तालाब और टैंक में विवाहिता और उसके तीन बच्चों (2 बेटी और एक बेटा) के शव मिलने के मामले में नया खुलासा हुआ है। आरोप है कि पति ने ही अपनी पत्नी और तीन मासूम बच्चों की हत्या कर शव को तालाब और टैंक में फेंक आया। देर रात घर आकर अनजान बनते हुए बच्चों और पत्नी को ढूंढने लगा। इसके बाद खुद ही तालाब पर पहुंच गया और शोर मचाने लगा। अक्सर पति शराब पीकर मारपीट किया करता था। फिलहाल आरोपी पति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हत्या का आरोप लगाते हुए ससुराल वालों ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। मामला चूरू जिले के सरदारशहर कस्बे का है।

गांव में मची चीख-पुकार

सरदारशहर थाने के एएसआई प्रदीप मीणा ने बताया- रात करीब 9 बजे बंधनाऊ दिखनादा गांव के रहने वाले सुभाष जाट (32) की पत्नी और तीन बच्चों के शव नजदीकी तालाब और टैंक में मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे तो पत्नी जेठी (25) और बेटी इशिका (5) के शव खेत में बने तालाब में पड़े थे। पास ही के टैंक में बेटी आरुषि (3) और बेटे संजय (ढाई साल) के शव भी मिले। ग्रामीणों की मदद से सभी शवों को बाहर निकालकर सरदारशहर के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। रविवार सुबह चारों शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए। पीहर पक्ष ने सुभाष पर मर्डर का आरोप लगाया। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया। पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

जेठी | आरुषि | इशिका | संजय

भाई बोला- जीजा ने बहन-बच्चों का मर्डर किया

सरदारशहर के भादासर उतरादा गांव निवासी जेठी के भाई डूंगरमल ने बताया- बहन जेठी के पति सुभाष (32) ने 7 दिन पहले भी बहन और बच्चों को जान से मारने की धमकी दी थी। शराब के नशे में वह रोजाना बहन के साथ मारपीट करता था। शनिवार रात को बहन और भांजा-भांजियों की उसने हत्या कर दी। शव तालाब और टैंक में डाल दिया। इसके बाद शोर-शराबा कर आसपास के लोगों को घटना के बारे में बताया। बहन के चेहरे और सिर पर चोटों के निशान थे।

दो भाइयों से की थी दो बहनों की शादी

डूंगरमल ने बताया- वर्ष 2016 में सुभाष (32) और उसके भाई राकेश की शादी दो बहनों जेठी और मंजू से की थी। शादी के दो साल बाद 2018 में राकेश ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद मंजू की दूसरी जगह शादी कर दी गई। सुभाष अपने माता-पिता से भी अभद्रता करता था। पिछले पांच साल से वह गांव में ही खेत में बने एक अलग मकान में रह रहा था। घटना की सूचना पड़ोसी निराणाराम ने हमें रात करीब 9 बजे दी।

शादी के बाद से ही दहेज के लिए करते थे प्रताड़ित

थानाधिकारी मोहनलाल विश्नोई ने बताया- महिला जेठी के पिता भंवरलाल की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पति सुभाष और उसके चाचा मुखराम पर आरोप लगाए गए हैं। भंवरलाल ने रिपोर्ट में बताया- बेटी जेठी (24) की शादी 2016 में बंधनाऊ निवासी सुभाष जाट के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही सुभाष और उसका चाचा मुखराम दहेज की मांग को लेकर जेठी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। भंवरलाल ने बताया- शनिवार रात सुभाष ने जेठी और तीनों बच्चों की हत्या कर शव डिग्गी और कुंड में फेंक दिए। सूचना मिलते परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में जेठी और उसके तीनों बच्चों के शव पानी से बाहर निकाले गए। मृतकों के शरीर पर चोटों के स्पष्ट निशान पाए गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि मौके पर सुभाष ने कथित रूप से स्वीकार किया कि उसने ही चारों को मारकर पानी में फेंका और धमकी दी कि यदि उसके खिलाफ कार्रवाई की गई तो अन्य लोगों को भी मार डालेगा। वहीं, सुभाष के चाचा मुखराम ने भी धमकी भरे लहजे में कहा कि यदि कोई कार्रवाई की गई तो अंजाम ठीक नहीं होगा।

जयपुर के आयुष्मान सिंह शेखावत ने देशभर में पहला स्थान हासिल कर नाम किया रोशन

दुबई की गेमा इंटरनेशनल संस्था के स्टूडेंट स्पीकर कॉम्पिटिशन में रहे अव्वल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

इंटरनेशनल स्टूडेंट स्पीकर कॉम्पिटिशन में जयपुर के आयुष्मान सिंह शेखावत ने देशभर में पहला स्थान हासिल कर नाम रोशन किया है। दुबई स्थित गेमा इंटरनेशनल संस्था द्वारा आयोजित इंटरनेशनल स्टूडेंट स्पीकर प्रतियोगिता में आयुष्मान सिंह नेशनल टॉपर का खिताब अपने नाम किया है। आयुष्मान सिंह शेखावत जयपुर के सनसिटी स्थित शांति एशियाटिक स्कूल की 12वीं कक्षा के छात्र हैं। भविष्य में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के जरिये सेना में जाकर देश की सेवा करने की चाह रखने वाले आयुष्मान सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादाजी श्री जय सिंह शेखावत एवं दादीजी श्रीमती पुष्पा शेखावत को दिया है। गौरतलब है कि गेमा इंटरनेशनल संस्था स्कूली विद्यार्थियों को ओजस्वी वक्ता एवं नेतृत्वकर्ता के रूप में तराशने के लिए उनकी प्रतिभा को वैश्विक मंच मुहैया करवाती है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के हजारों प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं।

हिंगोटा में भक्ति और संस्कृति का अद्वितीय संगम, रामकथा व प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बना आध्यात्मिक चेतना का केंद्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मंडावर

हिंगोटा गांव में 16 मई से प्रारंभ हुए नौ दिवसीय रामकथा एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव ने संपूर्ण मंडावर क्षेत्र को धार्मिक चेतना से ओतप्रोत कर दिया है। ग्राम के वरिष्ठ नागरिक व रिटायर्ड थानाधिकारी ठाकुर इन्द्र सिंह किलानौत की प्रेरणा से शुरू हुए इस आयोजन का केंद्र बना है प्राचीन सीताराम मंदिर, जहां 'बड़ी हवेली' के निकट भक्ति की अविरल गंगा बह रही है। शुभारंभ के दिन निकली कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया, वहीं मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा का नगर भ्रमण पूरे वातावरण को भक्तिमय बना गया। प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक वृंदावन से पधारे कथा वाचक पंडित सत्यप्रकाश शास्त्री संगीतमयी शैली में रामकथा सुना रहे हैं। कथा का क्रम अत्यंत आकर्षक रहा – पहले दिन कथा महात्म्य, दूसरे दिन शिव-पार्वती विवाह, तीसरे दिन राम जन्मोत्सव, चौथे व पांचवें दिन राम-जानकी विवाह, छठे दिन बाल लीलाएं, सातवें और आठवें दिन सुंदरकांड पाठ तथा नवें दिन पूर्ण कथा और पूर्णाहुति की जाएगी। महोत्सव के तीसरे दिन ठाकुर इन्द्र सिंह द्वारा मां भगवती की नव प्रतिष्ठित प्रतिमा की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई, जिसने आयोजन को एक नई आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। यह मूर्ति अपनी अलौकिक छवि और प्रभाव के कारण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बनी हुई है। आयोजन का विधिवत समापन 24 मई को किया जाएगा, जबकि 25 मई को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। कथा वाचक सत्यप्रकाश शास्त्री ने अपने प्रवचनों में सुंदरकांड पाठ को आत्मिक बल और मानसिक शांति का श्रेष्ठ साधन बताया और सप्ताह में एक बार इसका पाठ करने का आग्रह किया। इस भव्य आयोजन में ठाकुर इन्द्र सिंह को अलवर के गौ-संरक्षक और योगाचार्य केदार शर्मा का सान्निध्य एवं सहयोग प्राप्त हुआ, जिन्होंने आयोजन की गरिमा को और भी बढ़ाया। समस्त आयोजन की व्यवस्थाएं किलानौत परिवार के रामबाबू सिंह, गोविंद सिंह, माधो सिंह व चंद्र सिंह के नेतृत्व में संचालित हो रही हैं। उन्होंने क्षेत्रीय जनमानस से अधिकाधिक संख्या में आकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। हिंगोटा में चल रहे इस धार्मिक आयोजन ने न केवल गाँव की सनातन संस्कृति को पुष्ट किया है, बल्कि नई पीढ़ी के लिए भी एक प्रेरणा का कार्य किया है।

कोटा में चाकू मारकर युवक की हत्या के बाद तनाव

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में चाकू मारकर युवक की हत्या कर दी गई। आरोपी और युवक के बीच बाइक शोरूम के बाहर झगड़ा हुआ था। इसके बाद गुस्साए आरोपी ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। घटना कनवास कस्बे में रविवार दोपहर करीब 2 बजे की है। घटना के बाद तनाव की स्थिति हो गई है। विरोध में आक्रोशित लोगों ने एक दुकान में आग लगा दी। बाजार बंद करवाकर दुकानों के बाहर टायर जलाए। संदीप के शव को रखकर ग्रामीण प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों ने सांगोद-कनवास रोड और दरा-सांगोद रोड को पूरी तरह जाम कर दिया। पुलिस विरोध कर रहे लोगों को समझाने में जुटी है। प्रदर्शनकारियों ने किसी भी तरह के मुआवजे से इनकार करते हुए मांग की है कि पुलिस या तो आरोपी को एनकाउंटर में मार दे या फिर जनता के हवाले कर दे। बाइक शोरूम मालिक नरेंद्र ने बताया- घटना दोपहर 2 बजे के आसपास की है। संदीप शर्मा पार्ट टाइम कम्प्यूटर ठीक करने का काम करता था। वह शोरूम पर प्रिंटर ठीक करने आया था। उसी दौरान आरोपी युवक भी वर्कशॉप में मौजूद था। दोनों अपना-अपना काम निपटाकर अलग-अलग निकले थे। घटना शोरूम के बाहर हुई। यह पता नहीं चल पाया कि दोनों के बीच किस बात को लेकर झगड़ा हुआ। आरोपी अतीक पहले कनवास भाजपा नेता कौशल सोनी पर भी फायरिंग कर चुका है। जमानत पर छूटने के बाद कुछ दिन पहले कनवास के शराब ठेके पर भी गोली चलाकर लूटपाट की थी। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया- घटना से गुस्साए व्यापारियों और लोगों ने एक टपरी (दुकान) में आग लगा दी। आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित कर कस्बे में नाकाबंदी कर दी गई है। सुजीत शंकर ने सभी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पानी से भरी खदान में डूबने से स्टूडेंट की मौत, नहाने के लिए गया था- पैर फिसलने से डूबा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक छात्र की मौत हो गई। ये छात्र पानी से भरे गड्ढे में नहाने के लिए गया था। इस दौरान इसका पैर फिसला और यह गहराई में चला गया। काफी देर तक इसके लौटकर नहीं आने पर इसके परिजन इसे तलाशते हुए पानी से भरे गड्ढे के पास आए। इसके कपड़े ओर चप्पल बाहर देख हुए इसके साथ कुछ ग़लत होने की आशंका हुई।बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ यहां इकट्ठा हो गई। उनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ओर गोताखोरों की टीम ने करीब 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद स्टूडेंट के शव को गोताखोरों की टीम ने तलाश लिया। मामला गंगापुर थाना क्षेत्र के लखोला गांव का है।यहां पानी से भरी खदान में रविवार को एक स्टूडेंट नहाने के दौरान डूब गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। मृतक के कपड़े और चप्पल गड्ढे के बाहर देखकर परिजनों को आशंका हुई,सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने गंगापुर पुलिस को फोन किया जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची गोताखोरों की टीम को बुलवाकर छात्र की तलाश में गड्ढे में उतर गया। करीब 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद 60 फीट गहराई में फंसे शव को गोताखोरों की टीम ने ढूंढ निकाला। इसकी पहचान कन्हैया (15) पिता नारू लाल अहीर निवासी लालडिया के रूप में हुई। नारू 9 क्लास का स्टूडेंट है ओर अभी स्कूल की छुट्टियां होने के चलते अपने पिता की गंगापुर सहाडा चौराहे पर चाय की होटल पर हेल्प करवाता था। आज ही उसका रिज़ल्ट आया और वो पास हुआ था। कल शाम को करीब 4 बजे गर्मी लगने से वो नहाने के लिए गया था, इस दौरान वो पैर फिसलने से पानी से भरे गड्ढे में डूब गया। काफी देर बाद तक भी जब यह होटल पर नहीं लौटा तो पिता व होटल पर मौजूद स्टाफ को चिंता हुई उन्होंने इसकी तलाश की। पानी से भरे गड्ढे के पास पहुंचने पर इसकी चप्पल और कपड़े नजर आने पर लोगों को इसके डूबने की आशंका हुई और पानी में इसकी तलाश शुरू की गई। मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम आज करवाया जाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बेगूं पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7 क्विंटल से ज्यादा डोडाचूरा जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिले की बेगूं थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल की है. पुलिस ने कोटा नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान एक पिकअप ट्रक से भारी मात्रा में अफीम डोडाचूरा जब्त किया है. गेहूं की भूसी (खाखला) की आड़ में ले जा रहे इस डोडाचूरा का वजन 6 क्विंटल 98 किलो 190 ग्राम है और इस मामले में एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है. जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसी अभियान के तहत बेगूं थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कोटा नेशनल हाईवे 27 पर सरहद मैनाल स्थित हाईवे पार्किंग पर नाकाबंदी की थी. नाकाबंदी के दौरान लाडपुरा की तरफ से मैनाल की ओर आ रही एक पिकअप को रोकने का प्रयास किया गया. जिसमें ऊपर से गेहूं का भूसा भरा हुआ दिख रहा था. हालांकि, पिकअप चालक ने पुलिस को देखकर गाड़ी की गति तेज कर दी और भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे घेरकर पकड़ लिया. इसके बाद पुलिस ने पिकअप में भरे गेहूं के भूसे को उतरवाकर तलाशी ली. जिसमें भूसे के नीचे कुल 29 प्लास्टिक की बोरियों में अधकूचला और पीसा हुआ अफीम डोडाचूरा बरामद हुआ. इस अवैध मादक पदार्थ का कुल वजन 6 क्विंटल 98 किलो 190 ग्राम निकला. पुलिस ने तुरंत अवैध डोडाचूरा और पिकअप को जब्त कर लिया और आरोपी बनवारीलाल को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके.

कांग्रेस विधायक ने सीएम शर्मा को बताया 'कलियुग का देवता', कहा- मैं आपका जीवन भर आभारी रहूंगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनूं

कांग्रेस के एक विधायक ने अपने क्षेत्र की एक परियोजना की मांग विधानसभा में उठाई थी। बजट देने की मांग की थी। सरकार ने 1092 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया। जब बजट जारी होने की जानकारी विधायक को मिली तो वे बहुत खुश हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कॉल लगाया। मोबाइल को लाउडस्पीकर लेकर बात की। मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कांग्रेस ने विधायक ने सीएम को कलियुग का देवता कह दिया। विधायक ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपने ऐसा काम किया जो कोई नहीं कर सकता। इसके लिए वे जीवन भर आपके आभारी रहेंगे। राज्य सरकार ने शेखावाटी क्षेत्र की कुंभाराम लिफ्ट नहर परियोजना के लिए 1092 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। यह परियोजना झुंझुनूं और उदयपुरवाटी के लिए बड़ी अहम है। जब बजट मंजूर होने की जानकारी सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार को मिली तो उन्होंने मुख्यमंत्री को कॉल लगा दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कॉल रिसीव किया। इस दौरान कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने वो काम कर दिया जो धरती पर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए वे जीवन भर आपके लिए आभारी रहेंगे। शेखावाटी में बनने वाली मिठाई चिड़ावा के पेड़े पूरे राजस्थान में फेमस है। आसपास के राज्यों के लोग भी जब चिड़ावा से होकर गुजरते हैं तो पेड़े जरूर लेकर जाते हैं। कई परिवार तो ऐसे हैं जो चिड़ावा होकर आने वाली बसों के जरिए पेड़े (मिठाई) मंगवाते हैं। चिड़ावा के पेड़े शेखावाटी की पहचान है। कांग्रेस विधायक ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से कहा कि कुंभाराम लिफ्ट नहर परियोजना का बजट मंजूर होने पर अब वे जयपुर आकर चिड़ावा के पेड़े खिलाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का काम पूरा होते ही पेयजल संकट दूर हो जाएगा। करीब चार महीने पहले कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार ने इस मुद्दे को राजस्थान विधानसभा में उठाया था।

मालिक के घर रुपए चुराती नौकरानी पकड़ी, अलमारी खुलने की आवाज सुन पहुंची मकान मालकिन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

राजस्थान के भरतपुर जिले के कामां कस्बे में एक घर में चोरी करते हुए एक महिला पकड़ी गई। यह घटना सुरजवाग कॉलोनी में बंसल बाटर सप्लायर के मालिक विष्णु बंसल के घर में हुई। आरोपित महिला की पहचान बबीता जाटव के रूप में हुई है। वह ढाई साल से बंसल परिवार के घर में काम कर रही थी। ज्योति बंसल ने उसे चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। महिला के कपड़ों से 55 हजार रुपए बरामद हुए। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच कर रही है। ज्योति बंसल ने बताया कि बबीता जाटव बड़ा मोहल्ला, कामां की रहने वाली है। वह उनके घर में पिछले ढाई साल से साफ-सफाई का काम कर रही थी। हर रोज की तरह वह सुबह आठ बजे काम पर आई थी। ज्योति बंसल सुबह 11.30 बजे नहाने गई थीं।

यासिर और साबिर गुट के बीच झगड़ा, गोला-बारूद की जगह चलीं बोतलें

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

राजस्थान के भरतपुर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र के मछली मोहल्ला में दो गुटों में जबरदस्त झगड़ा हुआ। झगड़े में दोनों तरफ से लोगों ने एक-दूसरे पर हजारों कांच की बोतलें फेंकी। इस मारपीट में दोनों पक्षों के लगभग छह लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। झगड़ा सरकारी जमीन पर कबाड़ी की दुकान लगाने को लेकर हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, और लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। दरअसल, मछली मोहल्ले में रविवार को जो हुआ, उसने इलाके में दहशत फैला दी। दो गुट आपस में इस कदर भिड़ गए कि सड़कें टूटी हुई कांच की बोतलों से पट गईं। झगड़े के दौरान लोगों ने एक-दूसरे पर जमकर पत्थर भी फेंके। पथराव के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें लोग साफ तौर पर पत्थर फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यासिर और साबिर नाम के दो गुटों के बीच झगड़ा

मथुरा गेट थाने के रति राम ने बताया कि मछली मोहल्ला में यासिर और साबिर नाम के दो गुटों के बीच झगड़ा हुआ। दोनों पक्षों में सरकारी जमीन पर कबाड़ी की दुकान रखने को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात पर उनमें कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट और पथराव में बदल गई।स्ढ रति राम ने बताया कि पुलिस के पहुंचने के बाद स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया। इस झगड़े में दोनों पक्षों के करीब छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए तुरंत आरबीएम अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा है। पुलिस के आने से पहले दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर जमकर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकी। करीब 20 मिनट तक दोनों तरफ से पथराव होता रहा। दोनों गुट एक-दूसरे पर सरकारी ज़मीन पर कब्जा करने का आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल, दोनों में से किसी भी पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शिकायत दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

बैठे-बैठे पैर हिलाइए और रहिए बीमारीमुक्त

अक्सर जब आप बैठे-बैठ पैर हिलाने लगते हैं तो आपके बड़े आपको टोक देते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। बच्चों के बैठे-बैठे पैर हिलाने से बुजुर्गों का डांटना लाजिमी है। इसके पीछे भारतीय मान्यता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार बैठे-बैठे पैर हिलाने को अशुभ माना जाता है। पैर हिलाने को पिताजी की मृत्यु और कर्ज के संकट के तौर पर देखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि कोई इंसान यदि पूजन कर्म या अन्य किसी तरह के धार्मिक कार्य में बैठने के दौरान पैर हिलाता है तो उसे पूजन कर्म का पूरा पुण्य नहीं मिल पाता। या फिर माना जाता है कि पैर हिलाने से धन की देवी महालक्ष्मी क्रोधित हो जाती है और धन का नाश होता है। इन अशुभ परिणामों को देखते हुए अक्सर परिवार के वृद्धजन पैर हिलाने से बच्चों को मना करते हैं। धार्मिक तौर पर पैर हिलाने के इतनी सारी हानियों को देखते हुए शायद ही कोई पैर हिलाता आपको नजर आए।

लेकिन वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो पैर हिलाने से कई तरह की बीमारियां हमसे दूर रहती हैं और शरीर बीमारीमुक्त रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि अगर आप बैठे-बैठे पैर हिलाते हैं तो ये आपके दिल की सेहत के लिए बड़ा शुभ होता है।

भले ही पैर हिलाना व्यायाम का विकल्प नहीं है लेकिन समय की कमी के कारण जो व्यायाम नहीं कर पाते उनके लिए बैठे-बैठे पैर हिलाना व्यायाम से कम भी नहीं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए बेहतर होगा कि आप काम करते करते पैरों को हिलाते डुलाते रहें। वैसे भी आपको मालुम ही है कि कुछ नहीं करने से बेहतर है कुछ तो करना।

रक्तचाप की परेशानी होती है ठीक

घंटों तक एक जगह बैठे रहने के दौरान पैर हिलाने से रक्तचाप की परेशानी ठीक होती है। एक जगह में घंटो तक बैठ कर काम करने से शरीर में रक्त प्रवाह धीमा होने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर यानि रक्तचाप से जुड़ी बीमारियां शरीर में पनपने लगती हैं। जिससे दिल की बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप काम करना और ऑफिस जाना तो नहीं छोड़ सकते हैं। तो बेहतर होगा कि बैठे-बैठे पार हिलाइए और अपनी सेहत को इन खतरों से बचा कर रखिए।

शोध में हुआ साबित

हाल ही में कुछ महिलाओं और पुरुषों में एक शोध किया गया है जिसमें लोगों को तकरीबन कुछ घंटो तक एक ही स्थान पर बैठेकर काम करने को कहा गया। साथ में बीच-बीच में हर चार मिनट के बाद अपने पैरों को एक-एक मिनट के लिए इधर से उधर घुमाने और हिलाने के निर्देश दिए गए। शोधकर्ताओं ने इन लोगों के बैठने से पहले, बाद में तथा बैठे रहने के दौरान रक्त प्रवाह को नोट किया। परिणाम में पाया गया कि ऐसा करने से लोगों का बल्ड सर्कुलेशन धीमा होने के स्थान पर बढ़ गया जो धमनियों के लिए फायदेमंद है।

कई बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

इस शोध के पूरे होने के बाद ये निष्कर्ष निकाला गया कि बैठ कर काम करने के दौरान पैरों को बीच में हिलाते रहने से आर्टिलरी डिज़ीज से हमारे दिल को सुरक्षित रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर सहित फैट के बढ़ने, डिप्रेशन और आंखों की बीमारियों से भी रक्षा करता है।

अच्छी और बुरी बातें

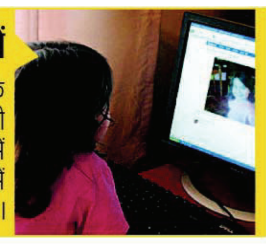

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

ब्रेड खाने से अब नहीं बढ़ेगा मोटापा

शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ब्रेड बनाया है जिसे खाने के लिए अपने स्वाद से कोई समझौता नहीं करना होगा। इस ब्रेड में आम ब्रेड के मुकाबले सात गुना ज्यादा प्रोटीन है। साथ ही हर टुकड़ें में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तीन ग्राम कम है जिसे खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। प्रोटीन ब्रेड के हर टुकड़े में 15 ग्राम गेहूं और मटर का प्रोटीन शामिल है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी है जो पेट भरा होने का अहसास देता है।

HEALTH | अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडेंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्रीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

ड्राई सॉकेट के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे

ड्राई सॉकेट एक प्रकार की दांतों की समस्या है जो बहुत ही दर्दनाक होती है, इस समस्या से बचाव के लिए आज आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे बताते है जो काफी कारगर साबित हुए हैं। दांतों की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो इनमें कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अगर किसी कारणवश आपका कोई दांत निकल गया है और उसकी जगह आपने सॉकेट लगवाया है तो उसमें भी समस्या हो सकती है। सॉकेट में समस्या तब होने लगती है जब सॉकेट के नीचे खून के धब्बे बनने लगते हैं। इसके कारण वाहिकाओं और हड्डी में भी समस्या होने लगती है।

ड्राई सॉकेट को एल्वेलर ऑस्टीटिस नाम से भी जाना जाता है। इसके कारण संक्रमण भी हो सकता है। दांत निकालने के बाद भी अगर 3-4 दिन तक दर्द हो तो यह ड्राई सॉकेट की समस्या हो सकती है। इसके अलावा गर्दन, कान, आंख में दर्द भी इसका लक्षण है। खाने में समस्या भी हो सकती है और मुंह स्वादहीन हो जाएगा यानी किसी खाने में कोई स्वाद नहीं मिलेगा। हल्का बुखार, मुंह में सूजन, सांसों में बदबू, आदि इस समस्या के लक्षण हो सकते हैं।

बर्फ का प्रयोग

अगर ड्राई सॉकेट के कारण मुंह और जबड़ों में अधिक सूजन हो गई हो तो बर्फ से सिंकाई कीजिए। बर्फ का पैक प्रभावित हिस्से पर रखने से सूजन कम होती है और दर्द से आराम भी मिलता है।

लौंग का तेल

दांतों के लिए लौंग को बहुत ही प्रभावी माना जाता है। ड्राई सॉकेट की समस्या होने पर लौंग के तेल को लगाने से फायदा होता है। इसके आप दांतों पर सीधे कॉटन के प्रयोग से लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी में रूई को डुबोएं फिर पानी निचोड़कर इसे लौंग के तेल में भिगोकर दांतों में लगाएं। इसे आसपास वाले दांतों पर भी लगाएं। इसे दिन में दो या तीन बार प्रयोग करें।

नमक पानी

किसी भी प्रकार के दर्द या सूजन खासकर मुंह की समस्याओं के लिए नमक पानी को बहुत ही कारगर माना जाता है। ड्राई सॉकेट होने पर भी नमक पानी का प्रयोग करें। पानी को हल्का गरम करके उसमें नमक डाल लीजिए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए, जल्द आराम मिलेगा।

योगर्ट: योगर्ट खाने से शरीर को दूसरे पौष्टिक तो मिलते हैं साथ ही यह ड्राई सॉकेट की समस्या का भी अच्छा उपचार है। यह एक प्रकार का नैचुरल एंटीबॉयटिक है, जिससे इस समस्या में आराम मिलता है।

टी बैग: टी बैग का प्रयोग केवल चाय पीने के लिए नहीं होता है, इसे सौंदर्य के साथ-साथ दांतों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ड्राई सॉकेट की समस्या में ठंडे टी बैग को प्रभावित हिस्से पर रखें। थोड़ी देर इसे प्रभावित हिस्से पर रखने से दर्द दूर हो जायेगा। यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपचार है।

हल्दी है फायदेमंद: हल्दी बहुत ही गुणकारी औषधि है। ड्राई सॉकेट होने पर हल्दी का पाउडर प्रयोग करें। अगर अधिक दर्द हो रहा हो तो पानी को हल्का गरम करके उसमें हल्दी पाउडर डालें। फिर इस पानी से कुल्ला करें, दर्द दूर हो जाएगा और संक्रमण भी नहीं होगा।

नींबू और नमक: नींबू और नमक दोनों ड्राई सॉकेट के लिए एंटीसेप्टिक की तरह काम करते हैं। इसके प्रयोग से दर्द और संक्रमण दोनों दूर हो जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा स्रोत है जिससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। नींबू के रस में थोड़ा नमक डालकर इसे सीधे दांतों पर लगाएं। इससे जल्द आराम मिलेगा।

केवल चलने से कम हो सकती हैं दिल की बीमारी

अब हाल ही में हुए अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है कि शारीरिक क्रियाएं जैसे की चलना और साइक्लिंग से 50% दिल की बीमारियां कम हो जाती हैं। खासकर 65 वर्ष से ऊपर वाले इंसान के लिए चलना वरदान साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार 65 वर्ष की उम्र के लोगों के समूह में दिल की बीमारी से होने वाली मौतें केवल चलने से 50त्न तक कम हो सकती हैं। स्टडी के अनुसार 65 वर्ष की उम्र वाले जो लोग फीजिकली एक्टिव रहते हैं।

सप्ताह में चार घंटे चलें

यह अध्ययन में 65 से 74 उम्र की 2,456 पुरुष और महिलाओं में किया गया है। इसमें फीजिकल एक्टिविटी और दिल की बीमारी से जुड़े खतरों के बीच में संबंध देखा गया है। अध्ययनकर्ताओं ने देखा की जो लोग हफ्ते में रोजाना कुछ देर तक शारीरिक काम जैसे चलना या साइक्लिंग करते हैं उनमें दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कंटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

रेसिपी

कश्मीरी रोटी

सामग्री

1 1/2 कप गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून सौंफ, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 8 - 10 काली मिर्च, 1/2 कप लो फॅट दूध , 99.7% वसा मुक्त, नमक स्वादअनुसार, गेहूं का आटा , बेलने के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, सौंफ, जीरा, अजवायन और कालीमिर्च डालकर, हल्का भून लें। हल्का ठंडा कर, खल-बत्ते में पीसकर दरदरा पाउडर बना लें। गेहूं के आटे, तैयार पाउडर, हींग, दूध और नमक को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। अच्छी तरह गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मलेशियन नूडल्स

सामग्री

2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड हरी प्याज़, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप तिरछे कटे हुए गाजर, 1 कप बीन स्प्राउट्स, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, 1 टी-स्पून सोया सॉस, 2 टेबल-स्पून भूनी और क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप पनीर या टोफू के टुकड़े, 2 कप उबाले हुए फ्लॅट नूडल्स, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून भुनी और क्रश की हुई मूंगफली, 1 टेबल-स्पून कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते,

विधि

एक वॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज़ आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्प्राउट्स डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भूनें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। मूंगफली और हरी प्याज़ के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पलती लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

सीजेआई ने दिया संविधान के सम्मान पर जोर, कहा- इसके सभी स्तंभों को मिलकर काम करने की जरूरत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने संविधान के सम्मान पर जोर दिया। बार काउंसिल महाराष्ट्र और गोवा की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह और अधिवक्ता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि न तो न्यायपालिका और न ही कार्यपालिका, बल्कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और इसके स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मुझे खुशी है कि देश न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर भी विकसित हुआ है और ऐसा करना जारी है। भारत का संविधान सर्वोच्च है और तीनों अंगों को संविधान के अनुसार काम करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश का बुनियादी ढांचा मजबूत है और संविधान के तीनों स्तंभ समान हैं। संविधान के सभी अंगों को एक-दूसरे के प्रति उचित सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति गवई द्वारा सुनाए गए 50 उल्लेखनीय निर्णयों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया। सीजेआई बीआर गवई ने मुंबई में चैत्यभूमि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक का दौरा किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रधान न्यायाधीश बनने के बाद आज मेरी पहली महाराष्ट्र यात्रा है और आज मैं चैत्यभूमि में बाबा साहेब के स्मारक पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूं। मैं यहां बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा हमें दिए गए संविधान के अनुसार स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और एकता के मूल्यों को आगे बढ़ाने और संरक्षित करने के लिए बाबा साहेब का आशीर्वाद लेने आया हूं। जस्टिस बीआर गवई 14 मई को भारत के प्रधान न्यायाधीश बने हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा। वह 23 दिसंबर को सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस बीआर गवई साल 2016 में नोटबंदी को लेकर दिए गए फैसले का हिस्सा रहे। जिसमें कहा गया था कि सरकार को करेंसी को अवैध घोषित करने का अधिकार है। इसके अलावा जस्टिस गवई बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ दिए आदेश का भी हिस्सा रहे और इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर फैसला देने वाली पीठ का भी हिस्सा रहे।

जासूस ज्योति उगलने लगी राजः पहलगाम हमले से पहले गई थी पाकिस्तान, 'जट रंधावा' कनेक्शन ने सबको चौंकाया

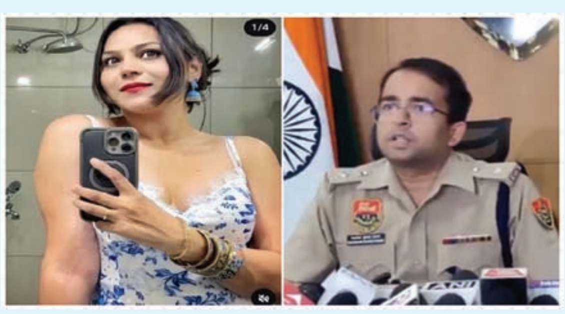

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हिसार

जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा के हिसार की ज्योति मल्होत्रा को लेकर अब तरह तरह के खुलासे हो रहे हैं। कोर्ट ने शनिवार को ही उसे पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा और माना जा रहा था कि पूछताछ में कई तरह के खुलासे होंगे। इस कड़ी में अब एक नई बात सामने आ रही है। एसपी हिसार शशांक कुमार सावन ने बताया कि पाकिस्तान उसे एक एसेट की तरह विकसित कर रहा था। इसके अलावा ज्योति प्रायोजित यात्राओं पर पाकिस्तान जाती थी। वह पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तान में थी। पूछताछ में पता चला है कि उसके साथ कुछ और लोग भी शामिल थे, जिसके बारे में पता किया जा रहा है। तीन बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति को पहलगाम आतंकी घटना और ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी आईबी ने संदिग्धों की सूची में शामिल किया था। देश की खुफिया सूचनाएं साझा करने का इनपुट मिलने के बाद से ज्योति के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट ट्रैस किए जा रहे थे। हिसार के डीएसपी कमलजीत ने बताया कि न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन कॉलोनी निवासी ज्योति ट्रैवल विद जो नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाती है। जांच में पता चला है कि वह 2023 में वीजा लगवाने के लिए पाकिस्तान हाई कमीशन गई थी। वहां उसकी मुलाकात एहसान उर रहीम उर्फ दानिश से हुई। इसके बाद उसने दानिश से फोन पर संपर्क शुरू कर दिया और तीन बार पाकिस्तान की यात्रा की। पाकिस्तान में दानिश के कहने पर उसके जानकार अली अहवान से मिली। अली अहवान ने ज्योति के ठहरने व घूमने का प्रबंध करने के साथ उसकी मुलाकात पाकिस्तानी इंटेलीजेंस के अधिकारियों से कराई। ज्योति ने पुलिस को बताया कि दानिश के कहने पर वह पाकिस्तानी इंटेलीजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के शाकिर उर्फ राणा शाहबाज से मिली और उसका मोबाइल नंबर भी लिया। डीएसपी ने बताया कि किसी को पता नहीं चले इसलिए ज्योति ने शाकिर का फोन नंबर अपने मोबाइल में जट रंधावा नाम से सेव किया। भारत आने के बाद वह शाकिर सहित अन्य से व्हाटसएप, स्नैप चैट, टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क में रहने लगी और देश विरोधी सूचनाएं उन तक पहुंचाने लगी। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने दानिश को जासूसी के आरोप में वांछित घोषित कर रखा है।

ऑपरेशन सिंदूरः भारत के खिलाफ चीन की साजिश, जंग के वक्त सैटेलाइट देकर की पाकिस्तान की मदद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इसके बाद दोनों देश जंग के मुहाने पर खड़े थे। भारत और पाकिस्तान के बीच आसमान में जंगी विमान गर्ज रहे थे, मिसाइलें दागी जा रही थीं और सीमाओं पर गोलियां चल रही थीं। लेकिन अब एक मामले में सनसनीखेज खुलासा सामने हुआ है। भारत के रक्षा मंत्रालय से जुड़े एक रिसर्च ग्रुप ने दावा किया है कि इस संघर्ष में चीन ने चुपके से पाकिस्तान का साथ दिया। जी हां, ड्रैगन ने न सिर्फ हथियारों की सप्लाई की, बल्कि सैटेलाइट, रडार और इंटेलिजेंस के जरिए पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मजबूत किया। जब भारत और पाकिस्तान की सेनाएं एक-दूसरे पर भारी पड़ने की जुगत में थीं, तब कोई तीसरा खिलाड़ी चुपके से मैदान में उतर आया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली के सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज ने खुलासा किया कि चीन ने पाकिस्तान को हवाई सुरक्षा, सैटेलाइट सपोर्ट और खुफिया जानकारी देकर इस जंग में उसका साथ दिया। चीन के सैटेलाइट के बदौलत पाकिस्तान भारत के शहरों में ड्रोन और मिसाइल अटैक कर रहा था। सब कुछ 22 अप्रैल से शुरू हुआ, जब एक आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हुई। भारत ने इसके लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन पाकिस्तान ने हाथ खड़े कर दिए।

कंगाल पाकिस्तान को कर्ज देकर टेंशन में आया आईएमएफ, 11 शर्तें लगाईं, चेतावनी भी दी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इस्लामाबाद

पाकिस्तान को कुछ दिनों पहले इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से 1 बिलियन डॉलर का कर्ज मिला था। आतंकियों को पोषित करने वाले पाकिस्तान को पैसे दिए जाने पर आईएमएफ की कार्यवाही पर सवाल खड़े होने लगे थे। वहीं, अब आईएमएफ को डर सताने लगा है कि कहीं पाकिस्तान को दिए पैसे डूब न जाए, इसलिए संस्था ने एक बड़ा कदम उठाया है। आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए अपने राहत कार्यक्रम की अगली किस्त जारी करने से पहले 11 नई शर्तें लागू की हैं। वहीं, आईएमएफ ने भारत-पाकिस्तान तनाव को आर्थिक कार्यक्रम के लिए गंभीर जोखिम बताया है।

आइए अब उन शर्तों को भी जान लें जो आईएमएफ ने पाकिस्तान पर लागू की।

अगले वित्त वर्ष के लिए 17,600 अरब रुपये के नए बजट को संसद से पारित करना अनिवार्य होगा।

बिजली बिलों में वृद्धि करनी होगी।

तीन साल से अधिक पुरानी पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध हटाना होगा।

चार संघीय इकाइयों द्वारा नया कृषि आयकर कानून लागू करना, जिसमें करदाता पहचान, रिटर्न प्रोसेसिंग, अनुपालन सुधार करना है।

देश में संचार अभियान को मजबूत करना होगा।

आईएमएफ सिफारिशों के आधार पर संचालन सुधारों के कामकाज को दिखाना होगा।

2027 के बाद की वित्तीय क्षेत्र की रणनीति तैयार कर उसे सार्वजनिक करना होगा।

ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी चार अतिरिक्त शर्तें भी लगाई गई है, जिनमें टैरिफ निर्धारण, वितरण सुधार और वित्तीय पारदर्शिता शामिल हैं।

रक्षा बजट में लगातार बढ़ोतरी कर रहा पाकिस्तान

महंगाई और कमजोर अर्थव्यवस्था की मार झेल रहा पाकिस्तान लगातार अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी कर रहा है। पाकिस्तान का आगामी रक्षा बजट 2,414 अरब रुपये है, जो पिछले वर्ष से 12 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, शहबाज सरकार ने इस महीने की शुरुआत में 2,500 अरब रुपये (18 प्रतिशत वृद्धि) की है। आशंका है कि पाकिस्तान के इस फैसले पर आईएमएफ नाराजगी जाहिर कर सकता है।

आतंकवादियों को फंडिंग दे रही पाकिस्तान सरकार

भले ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का कर्ज दे दिया, लेकिन भारत का कहना है कि पाकिस्तान इस पैसे का गलत इस्तेमाल करने वाला है। हाल ही में पाकिस्तान के मंत्री तनवीर हुसैन ने मुरीदके का दौरा किया था। मुरीदके उन नौ आतंकी ठिकानों में से एक है, जहां ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। हुसैन ने कहा था कि सरकार अपने खर्च पर इस इलाके को पुनर्निर्माण करेगी। हुसैन के इस बयान के बाद भारत ने नाराजगी जाहिर की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता देना आतंकवाद को फंडिंग करने से कम नहीं है।

शशि थरूर विवाद से केरल कांग्रेस ने बनाई दूरी, कहा- उन्हें पार्टी से अनुमति लेनी चाहिए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केरल में कांग्रेस ने रविवार को शशि थरूर द्वारा केंद्र सरकार के आमंत्रण पर बहु-दलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के फैसले के बाद पैदा हुए विवाद से खुद को अलग कर लिया। पार्टी ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर टिप्पणी करना पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का विषय है। विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि शशि थरूर कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य हैं और उनके जैसे नेता पार्टी अनुक्रम में उनसे ऊपर हैं। एक सीडब्ल्यूसी सदस्य का पद काफी अहम होता है। इस विषय पर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व अपनी राय देगा, और हम वही राय साझा करेंगे। हालांकि, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तिरुवंचूर राधाकृष्णन ने थरूर से कांग्रेस सांसद के रूप में अपनी "मुख्य जिम्मेदारी" निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजनयिक अंतरराष्ट्रीय अवसरों की तलाश कर सकते हैं, लेकिन ऐसा पार्टी नेतृत्व की अनुमति से ही होना चाहिए। एक टीवी चैनल से बात करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, थरूर की दो भूमिकाएं हैं–एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके विचारों और संबंधों की वजह से, और दूसरी कांग्रेस सांसद के रूप में। उन्होंने आगे कहा, स्वाभाविक है कि उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की जानकारी और मंजूरी के साथ ही आगे बढ़ना चाहिए। वह अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में काम कर सकते हैं, लेकिन वह पार्टी को कमजोर नहीं कर सकते, जिसका वे वर्तमान में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। राधाकृष्णन ने कहा कि उन्हें पहले अपने संसदीय कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि थरूर कांग्रेस नेतृत्व की स्वीकृति से अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अवसर तलाश सकते हैं। आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रुख सामने रखने के लिए विदेश भेजे जाने वाले एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के केंद्र के निमंत्रण को थरूर ने स्वीकार कर लिया है, जिसके मद्देनजर कांग्रेस नेताओं ने ये प्रतिक्रियाएं दी हैं। शशि थरूर के फैसले पर इसलिए विवाद पैदा हुआ है कि केंद्र सरकार के अनुरोध पर कांग्रेस की ओर से दिए गए नामों में उनका नाम नहीं था। थरूर ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले में कोई राजनीति नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विदेश मामलों में उनके पिछले अनुभव को देखते हुए उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया और उन्होंने तुरंत सहमति दे दी।

पाकिस्तान में मारा गया लश्कर आतंकी सैफुल्लाह खालिद, भारत में तीन बड़े हमलों का था मास्टरमाइंड

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इस्लामाबाद

भारत में कई हाई-प्रोफाइल आतंकी हमलों की साजिश रचने के आरोपी लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष आतंकवादी सैफुल्लाह खालिद की पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हत्या की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हत्या अज्ञात हमालवरों ने की है। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। सैफुल्लाह खालिद ने भारत में तीन बड़े आतंकवादी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता था। इनमें रामपुर में 2001 में सीआरपीएफ कैंप पर हमला, बैंगलोर में 2005 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस पर हमला और नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय पर 2006 में हमला शामिल हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, सैफुल्लाह खालिद विनोद कुमार के नकली नाम से नेपाल में कई वर्षों तक रहा। इस नाम से उसने फर्जी पहचान पत्र भी बनवाए थे। उसने एक स्थानीय महिला नगमा बानो से शादी भी की थी। माना जाता है कि नेपाल से वह लश्कर-ए-तैयबा के लिए गतिविधियों का समन्वय करता था, भर्ती और लॉजिस्टिक सपोर्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। हालांकि, इसके बावजूद वह खुद को लो प्रोफाइल रखे हुए था। हाल ही में, खालिद ने अपना ठिकाना बदल लिया था। वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बदीन जिले के मतली में शिफ्ट हो गया था। वहां, वह लश्कर-ए-तैयबा और उसके मुखौटे संगठन जमात-उद-दावा के लिए काम करता रहा, जिसका मुख्य ध्यान आतंकी अभियानों के लिए भर्ती और धन संग्रह पर था। हालांकि, अज्ञात हमलावरों ने उसे वहां भी ढूंढ निकाला और मौत के घाट उतार दिया।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को दी बड़ी जिम्मेदारी, बनाया मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी में एक बार फिर संगठनात्मक बदलाव की गूंज सुनाई दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है। रविवार को दिल्ली में आयोजित बसपा की वरिष्ठ नेताओं की बैठक में मायावती ने इस अहम घोषणा के साथ आकाश को पार्टी के भविष्य के अभियान और प्रचार-प्रसार की कमान सौंप दी। आकाश आनंद के पार्टी में बड़े पद मिलने को लेकर उम्मीद पहले से जताई जा रही थी। लेकिन, बिहार चुनाव की सुगबुगाहट के बीच इस बड़ी जिम्मेदारी को अलग नजरिए से देखा जा रहा है। इससे निश्चित तौर पर बसपा प्रमुख पार्टी की स्थिति में बदलाव की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। बैठक में बसपा के तीन राष्ट्रीय समन्वयकों, राज्यसभा सांसद रामजी गौतम, रणधीर बेनीवाल और राजाराम को निर्देश दिया गया कि वे अब आकाश आनंद को रिपोर्ट करेंगे। इन समन्वयकों में रामजी गौतम बिहार के प्रभारी भी हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस स्थिति में माना जा रहा है कि आने वाले समय में आकाश आनंद बिहार में सक्रिय हो सकते हैं। अभी वहां कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी सक्रियता बढ़ाए हुए हैं। पिछले दिनों वे दलित वोट बैंक को साधने की कोशिश करते दिखे। बसपा प्रमुख मायावती ने अब आकाश आनंद को सामने लाकर दलित युवा वर्ग के बीच एक नए चेहरे को उतारने की कोशिश में हैं। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीतिक चर्चा भी हुई, जिसमें आकाश आनंद की भूमिका को काफी अहम माना जा रहा है। मायावती का यह फैसला इसलिए भी खास है, क्योंकि मार्च 2025 में बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। सार्वजनिक रूप से उनके व्यवहार को अनुशासनहीन बताया था। उस समय मायावती ने स्पष्ट रूप से कहा था कि अब मेरे जीते-जी पार्टी का कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। हालांकि, 13 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती से एक दिन पहले आकाश आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर माफी मांगते हुए सार्वजनिक बयान जारी किया था।

राहुल गांधी फर्जी खबरों की फैक्टरी हैं, एस. जयशंकर के खिलाफ पोस्ट करने पर कांग्रेस पर बरसी बीजेपी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर की आलोचना करने वाले ट्वीट को लेकर निशाना साधा और उन पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस फर्जी खबरों की फैक्टरी हैं, यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस इस तरह का झूठ फैला रही है, जिसका पाकिस्तान दुरुपयोग कर सकता है। राहुल गांधी ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और पुलवामा घटना के बारे में भी झूठ फैलाया था। पूनावाला ने कहा कि अनुच्छेद 370 पर राहुल गांधी के बयान पाकिस्तान के डोजियर में शामिल हो गए। कांग्रेस ने मोदी सरकार को हटाने के लिए पाकिस्तान से मदद की भीख मांगी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी के कहने पर मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान गए और मोदी को हटाने में मदद मांगी।उन्होंने पाकिस्तान के नैरेटिव को बढ़ावा देने के लिए भी राहुल की आलोचना की। दूसरी ओर, पाकिस्तान के आतंकवाद को उजागर करने के लिए गठित प्रतिनिधिमंडल में राहुल को शामिल न करने के कांग्रेस के आरोप पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने कहा कि कांग्रेस में योग्यता को दबाया जाता है और सवाल किया कि पार्टी अपने नेता से इतनी नफरत क्यों करती है। केंद्र सरकार ने अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर को नियुक्त किया है।

'सुप्रीम' फैसले पर राष्ट्रपति के सवालों से स्टालिन नाराज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चेन्नई

तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सवाल उठाए हैं। इसे लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नाराजगी जताई है। अब सीएम स्टालिन ने गैर भाजपा शासित राज्यों के सीएम को पत्र लिखा है। सीएम स्टालिन ने पत्र में लिखा है कि राष्ट्रपति ने केंद्र सरकार की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार अधिकार का उपयोग करते हुए 13 मई 2025 को 14 प्रश्न उठाए हैं। इसमे किसी राज्य या फैसले का जिक्र नहीं है, लेकिन यह साफ है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल

के मामले में की टिप्पणियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के संबंध में आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल मेरे ही नहीं बल्कि सभी राज्यों के लिए अहम है। सभी जानते हैं कि कैसे केंद्र सरकार ने राज्यपालों का उपयोग विपक्ष शासित राज्यों के कार्यों को बाधित करने के लिए किया है। राज्यपाल विधेयकों को मंजूरी देने में देरी करते हैं या उन्हें बिना वैध व कानूनी कारणों के रोके रखते हैं। वे नियमित कार्यों में हस्तक्षेप करते हैं, महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों में बाधा डालते हैं और विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हैं। स्टालिन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में अपने फैसले में कहा कि राज्यपाल विधेयकों से संबंधित मामलों में राज्य मंत्रिमंडल की सलाह से बंधे हैं। वे विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोक नहीं सकते। राष्ट्रपति और राज्यपाल के कार्यों के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने लोकतांत्रिक और संघीय ढांचे की रक्षा करते हुए एक सही निर्णय दिया है। एमके स्टालिन ने आरोप लगाया कि भाजपा इस निर्णय को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है, ताकि अन्य राज्य इसे उदाहरण के रूप में न अपनाएं। इसलिए भाजपा ने राष्ट्रपति से सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में दखल देने की रणनीति तैयार की है। जबकि सुप्रीम कोर्ट की सलाहकार अधिकारिता का प्रयोग तब नहीं किया जा सकता जब उस विषय पर पहले ही न्यायालय द्वारा स्पष्ट निर्णय दिया जा चुका हो। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी सभी गैर भाजपा शासी राज्य सरकारों और क्षेत्रीय दलों के नेताओं से एकजुट होकर इस कानूनी लड़ाई को लड़ने की अपील की थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा